आर.एन.आई. नं. 37109/81 कोड संख्या DELHIN/11312 पृष्ठ 12 मूल्य: 2 ₹
www.rashtratimes.com • rashtratimes • email: rashtratimesnewspaper@gmail. com
डी. एल. (ई) 01/5155/2021-23
यू. (ई).11/2021-23 Posted at DRMS Delhi-6

महाराष्ट्र: भाजपा गठबंधन में दरार

दिल्ली से प्रकाशित स्वतंत्र विचारों का सबसे बड़ा साप्ताहिक
राष्ट्र टाइम्स
संपादक: विजय शंकर चतुर्वेदी
वर्ष: 44 ● अंक: 44 ● नई दिल्ली ● 03 से 09 नवंबर 2024

|| विजयशंकर चतुर्वेदी ||

सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन नेतृत्व सीट बंटवारे के मुद्दे को हल करने में पूरी तरह असफल रहा है। इसका बड़ा कारण यह है कि कई बागियों ने अपने सहयोगियों के लिए सीटों पर उम्मीदवार खड़े किए हैं।

कम से कम 25 सीटें ऐसी हैं जहां बागियों ने सहयोगी दलों को दी गई सीटों पर अपने उम्मीदवार खड़े किए हैं। अधिकांश बागी भाजपा से हैं जो इस बात से नाराज हैं कि सीटें उसके सहयोगियों को आवंटित कर दी गई हैं। भाजपा के बागी उम्मीदवार बुलढाणा, मेहकर, पैठन, जालना, सिलोद, पचोरा, घनस्वांगी, सावंतवाड़ी और नेवासा में शिवसेना को आवंटित सीटों पर लड़ाई खराब करने की धमकी दे रहे हैं। इसी तरह, शिवसेना पार्टी के पदाधिकारियों ने भी बगावत कर दी है और जहां भाजपा को आधिकारिक तौर पर सीटें दी गई हैं, वहां उम्मीदवार खड़े कर दिए हैं। ऐरोली, बेलापुर,

शेष पृष्ठ 2 पर

देश में उपचुनावों के बीच यूपी की सियासी सरगर्मी चरम पर है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 'बटेंगे तो कटेंगे' नारे का जवाब देते हुए समाजवादी पार्टी ने लखनऊ की सड़कों पर नए पोस्टर लगाए हैं। इन पोस्टरों में सपा प्रमुख अखिलेश यादव की तस्वीर के साथ जुड़ेंगे तो जीतेंगे और 'सत्ताईस का सत्ताधीश' जैसे नारे लिखे गए हैं। ये पोस्टर समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता विजय प्रताप यादव द्वारा लगवाए गए हैं, जिनमें बीजेपी के विभाजनकारी नारे पर एकजुटता और विकास का संदेश दिया गया है। योगी आदित्यनाथ ने हाल ही में एक जनसभा में बांग्लादेश में हुई हिंसा का जिक्र करते हुए बटेंगे तो कटेंगे का नारा देते हुए लोगों से एकजुट रहने की अपील की थी। उन्होंने कहा था कि देश की समृद्धि और सुरक्षा एकजुटता से ही संभव है। सीएम योगी के इस बयान का उपयोग विपक्षी पार्टियां चुनावी माहौल में जोर-शोर से कर रही हैं, वहीं समाजवादी पार्टी ने योगी के इस नारे को चुनौती दी है। सपा ने जुड़ेंगे तो जीतेंगे का नारा प्रदेश में एकजुटता, सामाजिक सौहार्द और विकास का संदेश देने का प्रयास किया है। अब देखना यह है कि इन नारों के बीच मतदाता किसके पक्ष में अपना समर्थन देते हैं और सियासी माहौल किस करवट बदलता है।

चुनाव आयोग की कांग्रेस ने की आलोचना

|| उमेश जोशी ||

कांग्रेस ने हरियाणा विधानसभा चुनावों में अनियमितताओं का आरोप लगाया था। पार्टी के इन आरोपों को निर्वाचन आयोग ने निराधार, गलत और तथ्यहीन बताते हुए खारिज कर दिया है। निर्वाचन आयोग ने कहा कि पार्टी पूरे चुनाव नतीजों की विश्वसनीयता के बारे में उसी तरह का संदेह पैदा कर रही है, जैसा उसने अतीत में किया था। अब कांग्रेस ने चुनाव आयोग की इस प्रतिक्रिया की आलोचना की है। पार्टी ने आरोप लगाया है कि निर्वाचन आयोग ने हरियाणा विधानसभा चुनाव से संबंधित उसकी शिकायतों पर स्पष्ट जवाब नहीं दिया और खुद को क्लीन चिट दे दी है।

कांग्रेस ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार को एक जवाबी पत्र लिखा है। इसमें पार्टी ने कटाक्ष करते हुए यह भी कहा कि यदि निर्वाचन आयोग ने अपने तटस्थ स्वरूप को पूरी तरह खत्म करने का लक्ष्य तय कर रखा है, तो वह इस दिशा में उल्लेखनीय रूप से आगे बढ़ रहा है। बता दें, कांग्रेस द्वारा भेजे गए इस पत्र पर पार्टी के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल, राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा, पार्टी के कोषाध्यक्ष अजय माकन, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अभिषेक सिंघवी और कुछ अन्य नेताओं के हस्ताक्षर हैं।

आयोग को भेजे जवाबी पत्र में कांग्रेस ने कहा, 'हमने हमारी शिकायतों पर आपकी प्रतिक्रिया का ध्यानपूर्वक अध्ययन किया है। इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि निर्वाचन आयोग ने खुद को क्लीन चिट दे दी है। हम आम तौर पर इसे छोड़ देते। लेकिन आयोग की प्रतिक्रिया का लहजा और भाव, इस्तेमाल की गई तथा कांग्रेस के खिलाफ लगाए गए आरोप हमें प्रतिक्रिया देने के लिए मजबूर करते हैं।' उसने कहा, 'हम नहीं जानते कौन है, जो माननीय आयोग को सलाह दे रहा है या मार्गदर्शन कर रहा है, लेकिन ऐसा लगता है कि आयोग यह भूल गया है कि यह संविधान के तहत गठित एक निकाय है, जिस पर कुछ महत्वपूर्ण कार्यों का निर्वहन करने का उत्तरदायित्व है।'

कांग्रेस के अनुसार, यदि आयोग किसी मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय पार्टी को सुनवाई की

अमित शाह पर आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन का आरोप

तृणमूल कांग्रेस ने भारतीय निर्वाचन आयोग (ईसीआई) को पत्र लिखकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) के उल्लंघन का आरोप लगाया। पत्र में टीएमसी ने कहा है कि आदर्श आचार संहिता में स्पष्ट रूप से निर्देश दिया गया है कि मंत्रियों को अपने आधिकारिक दौरे और चुनाव प्रचार कार्य को एक साथ करना चाहिए। सत्तारूढ़ पार्टी के हित को आगे बढ़ाने के लिए चुनाव प्रचार कार्य के दौरान सरकारी मशीनरी या निजी मशीनरी का उपयोग नहीं करना चाहिए।

पत्र में कहा गया है, निर्देशों का दायरा उत्तर 24 परगना के अंतर्गत आने वाले हरोआ और नैहाटी निर्वाचन क्षेत्रों के प्रशासनिक जिलों को कवर

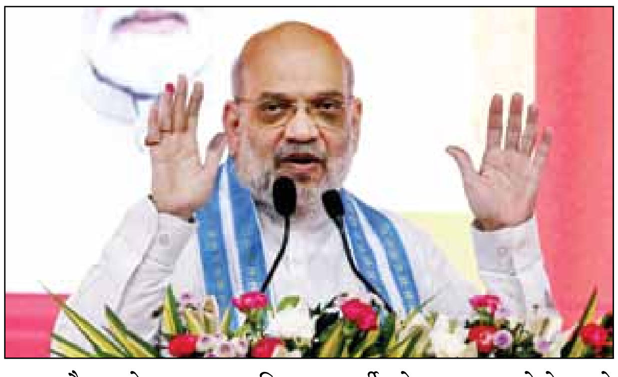

करता है, इसके बावजूद अमित शाह ने 27 अक्टूबर को उत्तर 24 परगना के पेट्रापोल में एक आधिकारिक कार्यक्रम में राजनीतिक टिप्पणी की।

पत्र में पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष सुब्रत बख्शी ने दावा किया कि पेट्रापोल कार्यक्रम में आधिकारिक संबोधन के दौरान अमित शाह ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को बदनाम करने के इरादे से उनके खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की। पत्र में कहा गया है कि साल 2026 में परिवर्तन का आह्वान करने वाली राजनीतिक रूप से आरोपित टिप्पणियां किसी भी तरह से उक्त घटना से जुड़ी नहीं थीं। इससे आधिकारिक कार्यक्रमों और चुनाव प्रचार कार्य के बीच रेखा बनाए रखने के केंद्रीय गृह मंत्री के इरादे पर गंभीर संदेह पैदा होता है। तृणमूल कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष सुब्रत बख्शी के मुताबिक यह आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) के प्रावधानों का खुला उल्लंघन है। उन्होंने चुनाव आयोग से अमित शाह को कारण बताओ नोटिस जारी करने, संबंधित पक्षों तथा उन्हें और अन्य भाजपा नेताओं को उपचुनावों से पहले आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन न करने के लिए उचित निर्देश जारी करने का अनुरोध किया है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 27 अक्टूबर को पश्चिम बंगाल में एक कार्यक्रम के दौरान कहा था कि प्रदेश में राज्य प्रायोजित घुसपैठ और महिलाओं के खिलाफ अपराध तभी रुकेंगे जब 2026 के विधानसभा चुनावों में भाजपा राज्य में सत्ता में आएगी।

नहीं थामूंगा महायुति गठबंधन का झंडा

महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव में भाजपा के मना करने के बावजूद अजित पवार ने अपने नेतृत्व वाली राकांपा से जिन नवाब मलिक को टिकट दिया है उन्होंने अपने तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। मलिक ने कहा है कि वे चुनाव के दौरान महायुति गठबंधन का झंडा नहीं थामेंगे बल्कि राकांपा का झंडा उठाएंगे। मलिक ने यह भी कहा कि उनके महाविकास अघाड़ी से मधुर सम्बन्ध हैं। नवाब मलिक फिलहाल प्रिवेंशन ऑफ मनी-लॉन्ड्रिंग एक्ट में मेडिकल ग्राउंड पर जमानत पर हैं।

दरअसल, ऐसी चर्चाएं थीं कि भाजपा नहीं चाहती थी कि नवाब मलिक को टिकट दिया जाए। उनके हालिया बयानों और उनकी इमेज की वजह से भाजपा ने ये फैसला किया था। इसके लिए अजित पवार पर प्रेशर भी बनाया गया था। टिकट को लेकर अजित पवार काफी समय तक चुप रहे। आखिरकार उन्होंने नवाब मलिक को मानखुर्द विधानसभा सीट से उम्मीदवार बना दिया। नामांकन के आखिरी दिन नामांकन दाखिल करने के बाद नवाब मलिक ने कहा, मैंने निर्दलीय और राकांपा के पर्चे पर नाम

शेष पृष्ठ 2 पर

संपादकीय

उपचुनाव: योगी-अखिलेश की प्रतिष्ठा दांव पर

उत्तर प्रदेश में इस माह में होने जा रहे 9 विधानसभाओं के उपचुनाव के परिणामों का असर ना तो उत्तर प्रदेश की राज्य की योगी आदित्यनाथ सरकार पर पड़ने वाला है और ना ही लोकसभा की नरेन्द्र मोदी सरकार पर। फिर भी इन उपचुनाव को भारतीय जनता पार्टी और समाजवादी पार्टी दोनों ने ही अपनी प्रतिष्ठा का प्रश्न बना लिया है। कारण भी है कि इन चुनावों में कांग्रेस मैदान में नहीं है और मुकाबला बीजेपी और सामाजवादी पार्टी में है। 13 नवंबर को जिन सीटों पर चुनाव होना हैं, वहां भाजपा ने 9 में से 8 सीटों पर अपने प्रत्याशियों को मैदान में उतारा है जबकि एक सीट एनडीए की सहयोगी राष्ट्रीय लोक दल (आरएलडी) को दी गयी है। इस मुकाबले में इस बार भाजपा के सामने कांग्रेस नहीं है और उसका मुकाबला समाजवादी पार्टी से ही हो रहा है ।

दरसल लोकसभा 2024 के मुकाबले में समाजवादी पार्टी, इण्डिया गठबंधन के साथ मिल कर चुनाव लड़ी थी और अकेले 37 सीट जीतने वाली समाजवादी पार्टी और उसके नेता अखिलेश यादव इन विधानसभा के उपचुनाव को 2027 के चुनाव का ट्रायल मान कर मैदान में उतारे हैं। चूँकि गठबंधन के प्रमुख घटक दल कांग्रेस ने इन चुनावों में समाजवादी पार्टी का समर्थन किया है तो इन सीटों की जीत हार का सेहरा भी सपा प्रमुख अखिलेश यादव के सिर ही बंधेगा! ऐसे में सपा प्रमुख अखिलेश यादव नहीं चाहते होंगे कि भविष्य में भाजपा के खिलाफ बनने वाले इंडिया गठबंधन में उनकी स्थिति (हरियाणा में हुई हार के बाद) भी कांग्रेस जैसी हो जाय। इस कारण ये उपचुनाव न उनकी प्रतिष्ठा का सवाल बने हुए है।

दूसरी ओर लोकसभा चुनाव में राज्य के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार के रहते गत लोकसभा से भी कम सीटों मिलने के दंश से उभरने के लिए ये उपचुनाव योगी आदित्यनाथ के लिए एक अवसर के समान है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इस अवसर को (इन चुनावों का परिणाम) अपने पक्ष में कर, अपना रसूख सरकार और पार्टी में बनाये रखने में कोई कसर छोड़ेंगे ऐसा लगता नहीं है। जिन 9 सीटों पर उप चुनाव हो रहे हैं उनमें 4 पर सपा, 5 एनडीए ने जीती थी। योगी आदित्यनाथ अपनी पांचों सीट जीतने के साथ ही समाजवादी पार्टी की 4 सीटें भी भाजपा की झोली में लाने के प्रयास में साम-दाम-दंड-भेद का उपयोग करने से नहीं हिचकिचाएंगे। यदि योगी आदित्यनाथ ऐसा करने में सफल हो जाते हैं तो वे अपने विरोध में उठने वाले हर उस स्वर को दबा देंगे जो लोकसभा के चुनाव में आशा अनुरूप सफलता न मिलने पर उठे थे।

दूसरा असर योगी आदित्यनाथ की उस छवि को और अधिक निखार देगा, जो इन दिनों प्रखर हिंदूवादी, फायरब्रांड नेता की बन रही है और दबी जुबान योगी को प्रधानमंत्री मोदी का विकल्प बताया जा रहा है। क्योंकि अब योगी आदित्यनाथ केवल उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ही नहीं रहे वे अब भाजपा के राष्टीय प्रचारक होने के हिंदुत्व वादी राजनेता बन कर उभरे है जो यूपी के अलावा अन्य राज्यों में भी प्रचार कर रहे हैं । हाल ही में महाराष्ट्र चुनाव में उनका 'कटेंगे तो बटेंगे' का बयान सियासी हलकों में चर्चा का विषय बना हुआ है ।

गौरतलब है कि लोकसभा में भाजपा से ज्यादा सीट समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के गठजोड़ में जीती ली थी और ऐसे में अघोषित तौर पर योगी के खिलाफ एक वातावरण निर्मित किया गया था जिसमें दोनों उपमुख्यमंत्रियों के कंधे से योगी को निशाने पर लिया गया था। हालांकि पार्टी ने हार की समीक्षा में कई कारण गिनाए थे और योगी सुरक्षित रहे।

यही कारण है कि भाजपा इन 9 विधानसभा सीटों को अपने लिए प्रतिष्ठा का मुद्दा बनाये हुए है और सामाजवादी पार्टी की परपरागत सीट करहल पर अखिलेश यादव के परिवार के सदस्य को ही उनके खिलाफ मैदान में उतार कर यादव वोटों को विभाजित करने और 22 साल से सपा के कब्जे वाली सीट पर दांव खेला है ।

कुल मिला कर इन उपचुनाव में कांग्रेस के न होने का कितना फायदा समाजवादी पार्टी या भाजपा को मिलता है यह परिणाम के बाद ही पता चलेगा लेकिन इतना तो तय है ये उप चुनाव दोनों ही दल और दोनों ही नेताओं योगी और अखिलेश के लिए प्रतिष्ठा का प्रश्न बने हुए है।

पृष्ठ 1 का शेष

महाराष्ट्र: भाजपा गठबंधन...

कल्याण पूर्व, विक्रमगढ़, फुलंबरी और सोलापुर सेंट्रल ऐसी सीटें हैं जहां शिवसेना के बागी चुनाव लड़ रहे हैं।

बीजेपी के बागी सिर्फ शिवसेना के खिलाफ ही नहीं बल्कि एनसीपी के अजित पवार गुट के खिलाफ भी बगावत कर रहे हैं। अहेरी, अमेलनेर, अमरावती, वसमत, पथरी, जुन्नर, मावल और शाहपुर में - एनसीपी को आवंटित सभी सीटों पर भाजपा के बागी उम्मीदवार हैं। शिवसेना के बागी उम्मीदवार राकांपा को आवंटित पथरी, आलंदी, येवला, वाई और बीड जैसी सीटों पर भी चुनाव लड़ रहे हैं। बागी उम्मीदवारों की संख्या सिर्फ इन 25 सीटों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि कई अन्य सीटों तक भी है क्योंकि सत्ताधारी दलों के बागी उम्मीदवार भी कई सीटों पर अपनी ही पार्टी के उम्मीदवारों के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं।

यह लगभग 8 निर्वाचन क्षेत्रों की परवाह किए बिना भी है जहां शिवसेना, भाजपा और राकांपा ने अपने सहयोगियों के लिए सीटों पर आधिकारिक उम्मीदवार खड़े किए हैं। उदाहरण के लिए, राकांपा को आवंटित अनुशक्ति नगर, शिवाजीनगर-मानखुर्द सीटों पर शिवसेना ने अपने आधिकारिक उम्मीदवार उतारे हैं। शिवसेना ने देवलाली और डिंडोरी में भी अपने उम्मीदवार उतारे हैं जो फिर से राकांपा को दे दिए गए हैं। इसी तरह, दौंड में, भाजपा और राकांपा दोनों उम्मीदवार आधिकारिक पार्टी प्रतीकों पर लड़ रहे हैं। अजित खेमे ने सहयोगियों के लिए निर्धारित सीटों पर चुनाव लड़ने वाले कम से कम 7 और उम्मीदवारों को टिकट दिया है।

टिकट बंटवारे को लेकर बीजेपी में मची भगदड़ को देखते हुए बीजेपी नीत महायुति की दिल्ली में कई बैठकें हुई। लेकिन इन बैठकों से भी कोई फायदा नहीं मिला। और बीजेपी में भगदड़ मच गई। अमित शाह बीजेपी में मची भगदड़ को संभाल भी नहीं पाए और मिली जिम्मेदारी को बखूबी निभा भी नहीं पाए मोदी ने जो जिम्मेदारी में दी थी। उसमें पूरी तरह से फेल हो गए। जब अमित शाह एक राज्य को संभालने में पूरी तरह बिफल है। तो वो पूरे देश की जनता को कहां से संभाल पाएंगे। महाराष्ट्र चुनाव बीजेपी के लिए किसी अग्निपरीक्षा से कम नहीं है। महाराष्ट्र की जनता अनेक समस्याओं से जूझ रही है। लेकिन शिंदे ने जनता के लिए कोई काम नहीं किया है।

मराठा आरक्षण का मुद्दा भी जोरों पर चल रहा है। मनोज जरांगे ने विधानसभा चुनाव में बीजेपी के खिलाफ उम्मीदवार उतार दिए। और चुनावी बिगुल फूंक दिया। जिससे महायुति की चिंता और बढ़ गई है। बता दें कि बीजेपी की एक मुसीबत खत्म नहीं होती है। दूसरी नई मुसीबत जन्म ले लेती है।

बीजेपी के नेता पार्टी हाई कमान की जमकर पोल खोल रहें है। पार्टी नेताओं का कहना है कि पार्टी के अंदर हम लोगों की बातें सुनी ही नहीं जा रही है। पार्टी में किसी भी नेता से कोई सलाह नहीं ली जाती है। जो भी फैसले लेने होते हैं। वह फैसले पार्टी के दो-तीन लोग ही लेते हैं। पार्टी के किसी भी नेता का नहीं सुना जाता है। वहीं सोंचने वाली बात है। जब पार्टी में पार्टी नेताओं की नहीं सुनी जाती है। तो फिर जनता की आवाज को कौन सुनने का काम करेगा.,.. आपको बता दें कि जबसे देश में बीजेपी सत्ता में आई है। तबसे जनता की आवाजों को दबाने का काम किया गया है।

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव को लेकर अब तो सभी सीटों पर उम्मीदवारों का ऐलान भी हो चुका है। इसके ऊपर प्रचार भी जोरों पर चल रहा है। लेकिन इस समय सोशल मीडिया पर बीजेपी नेता और पूर्व सीएम देवेंद्र फडणवीस का एक बयान चर्चा का विषय बन गया है। डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि बीजेपी अकेले अपने दम पर राज्य में नहीं जीतने वाली है। लेकिन वो सबसे बड़ी पार्टी बनकर जरूर उभरेगी।

51% वोटर्स महाराष्ट्र सरकार के काम से नाखुश

महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव 20 नवंबर को होंगे। इस चुनाव में जीत का परचम लहराने के लिए सभी पार्टियां कमर कस रही हैं। विधानसभा चुनाव में महाविकास अघाड़ी और महायुति पहली बार आमने-सामने होंगी। वरिष्ठ नेताओं समेत अन्य प्रत्याशियों ने जोरदार शक्ति प्रदर्शन करते हुए आवेदन दाखिल किया है। ऐसे में सी-वोट के सर्वे ने सनसनी मचा दी है। इस सर्वे में संभावना जताई गई है कि आगामी चुनाव में महागठबंधन की हार होगी। जब लोगों से पूछा गया कि क्या उन्हें मौजूदा बीजेपी शिंदे सरकार से नाराजगी है और क्या वे इसे बदलना चाहते हैं तो 51.3 फीसदी लोगों ने इसका जवाब हां में दिया। मुंबई, कोंकण, मराठवाड़ा, उत्तरी महाराष्ट्र, विदर्भ, पश्चिम महाराष्ट्र में मतदाताओं ने शिंदे सरकार को बदलने के बारे में अपनी राय व्यक्त की है। विस्तार से इसके बारे में आपको बताते हैं।

गुस्सा है.. सरकार बदलना चाहते हैं

मुंबई - इस संभाग में 51.2 फीसदी मतदाताओं का कहना है कि सरकार बदलनी चाहिए।

गुस्सा तो है लेकिन सरकार बदलना नहीं चाहते

मुंबई- इस क्षेत्र के 1.7 फीसदी मतदाताओं का कहना है कि वे सरकार नहीं बदलना चाहते।

कुछ भी कहा नहीं जा सकता

मुंबई- इस संभाग के 5.4 फीसदी मतदाताओं का कहना है कि इस बारे में कुछ नहीं कहा जा सकता है।

चुनाव आयोग की कांग्रेस ने...

अनुमति देता है या उसके द्वारा उठाए गए मुद्दों की जांच करता है, तो यह कोई अपवाद नहीं है। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन की बैटरी से जुड़ी शिकायतों पर स्पष्टता की बजाय भ्रमित करने का प्रयास किया गया है तथा शिकायतों का स्पष्ट रूप जवाब नहीं दिया गया। उसने दावा किया कि शिकायतों और याचिकाकताओं को कमतर दिखाने पर जोर दिया गया तथा अहंकार से भरा जवाब दिया गया।

हरियाणा में पांच अक्टूबर को हुए विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 90 में से 48 सीट जीतकर अपनी सत्ता बरकरार रखी, जबकि कांग्रेस 37, इंडियन नेशनल लोक दल (इनेलो) दो और निर्दलीय तीन सीट पर विजयी रहे।

कांग्रेस ने हरियाणा की 26 विधानसभा सीट के कुछ मतदान केंद्रों पर गिनती के दौरान इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) के 'कंट्रोल यूनिट' में बैटरी का स्तर 99 फीसदी दिखने पर सवाल उठाए थे और स्पष्टीकरण मांगा था।

नहीं थामूंगा महायुति...

दाखिल किया है।

नवाब मलिक अजित पवार के करीबी रहे हैं। उनकी अहमियत का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि जब मलिक जेल से जमानत पर बाहर आए, तो अजित पवार और शरद पवार दोनों गुट उन्हें अपने पाले में शामिल करने को आतुर दिखे। तब छगन भुजबल और अजित पवार नवाब मलिक के घर पहुंचे थे। जबकि शरद पवार गुट के नेता अनिल देशमुख भी उनसे मिलने गए थे। हालांकि, नवाब मलिक ने अजित पवार का साथ चुना।

राष्ट्रीय एकता और अखंडता के सूत्रधार सरदार पटेल

॥ विनीता यादव ॥

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने सरदार वल्लभभाई पटेल की 149वीं जयंती के अवसर पर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा, "देश को एकता और अखंडता के सूत्र में बांधने वाले 'लौह पुरुष' सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर उन्हें सादर नमन। भारत जोड़ने और देश में प्रेम एवं भाईचारा स्थापित करने वाले उनके पदचिह्न सदैव हमारा मार्गदर्शन करते हैं।"

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने एक्स पर लिखा, "महान स्वतंत्रता सेनानी, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष, देश के प्रथम गृह मंत्री और आधुनिक भारत के निर्माताओं में से एक, लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर उन्हें सादर नमन। भारत की आजादी की लड़ाई से लेकर भारत के निर्माण तक में सरदार वल्लभभाई पटेल का योगदान देश के प्रति सेवा और समर्पण की मिसाल है।"

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सरदार वल्लभभाई पटेल को श्रद्धांजलि देते हुए एक्स पोस्ट पर लिखा, "एक स्वतंत्र भारत को सम्पूर्ण देश बनाने वाले भारत के लौह पुरुष, देश के प्रथम उप प्रधानमंत्री, पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष व हमारे आदर्श, सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर सादर श्रद्धांजलि। सरदार पटेल का व्यक्तित्व और विचार सदैव आने वाली पीढ़ियों को राष्ट्र सेवा के लिए प्रेरित करते रहेंगे।"

बता दें कि पीएम मोदी सरदार वल्लभभाई पटेल की 149वीं जयंती के मौके पर गुजरात के केवड़िया में हैं। इस मौके पर लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' के निर्माण में भी यूनिटी की बात कही। उन्होंने बताया कि इसको बनाने के लिए देश के किसानों के पास से खेत में काम आने वाले औजारों का लोहा लाया गया, क्योंकि सरदार साहब किसान पुत्र थे।

दरअसल, हर वर्ष 31 अक्टूबर को सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर 'राष्ट्रीय एकता दिवस' मनाया जाता है। 31 अक्टूबर 1875 में गुजरात के नडियाद में जन्मे सरदार पटेल ने भारत के स्वतंत्रता संग्राम और राष्ट्र को एकजुट करने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

पूर्व विधायक ब्रह्म सिंह तंवर आप में हुए शामिल

॥ राष्ट्र टाइम्स ॥

फरवरी 2025 में होने वाले दिल्ली विधानसभा चुनावों से पहले राष्ट्रीय राजधानी में राजनीतिक घटनाक्रम तेज हो गया है। अरविंद केजरीवाल के बाद मुख्यमंत्री के रूप में आप की आतिशी की नियुक्ति के साथ शहर में एक बड़ा बदलाव हो चुका है। इन सबके बीच छतरपुर से आप के मौजूदा विधायक करतार सिंह तंवर के पार्टी छोड़ने के महीनों बाद, एक अंतर-राजनीतिक घटनाक्रम सामने आया, जब उसी निर्वाचन क्षेत्र से पूर्व भाजपा विधायक आम आदमी पार्टी में शामिल हो गए।

इस पर बोलते हुए, आप संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि ब्रह्म सिंह तंवर, जो दिल्ली की राजनीति में एक प्रमुख व्यक्ति हैं, आप में शामिल हो गए हैं। उन्होंने छतरपुर और महरौली से विधायक के रूप में कार्य किया है और सेवा करते रहे हैं।

उन्होंने पिछले 50 वर्षों से दिल्ली के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वह भाजपा छोड़कर आम आदमी पार्टी में शामिल हो गए।

इसके अलावा, तंवर ने अपने कदम के बारे में बताते हुए कहा कि वह अरविंद केजरीवाल से प्रेरित थे और उन्हें लगा कि वह आप के साथ दिल्ली की प्रगति में अधिक योगदान दे सकते हैं। ब्रह्म सिंह तंवर ने कहा, "मुझे लगा कि मैं आप में दिल्ली के लिए अधिक प्रभावी ढंग से काम कर पाऊंगा। इसके अलावा, मैं अरविंद केजरीवाल से प्रेरित था, जिसके कारण मैं इस पार्टी में शामिल हुआ।"

मिथीबाई क्षितिज ने दिवाली के उत्सव को रोशन किया

इस दिवाली, मिथीबाई क्षितिज ने उत्सव की खुशी को कैंपस से बाहर फैलाते हुए BHN स्वास्थ्य देखभाल और सीनियर लिविंग केयर सेंटर में हृदयस्पर्शी गतिविधियों का आयोजन किया और सड़कों पर बच्चों के लिए खाद्य दान अभियान चलाया। प्रकाश और दयालुता फैलाने की प्रतिबद्धता के साथ, क्षितिज टीम ने एक ऐसा दिन बनाया, जिसमें हृदयस्पर्शी क्षण और सामुदायिक भावना भरी हुई थी। उत्सव की शुरूआत एक वृद्धाश्रम के दौरे से हुई, जहां टीम ने मिठाइयाँ वितरित कीं, खेल खेले, और बुजुर्ग निवासियों के साथ कहानियाँ साझा कीं। एक दीया-पेंटिंग गतिविधि ने एक रचनात्मक स्पर्श जोड़ा, जिससे प्रतिभागियों को अपने स्वयं के 'दियों' को सजाने का अवसर मिला, जो प्यार और आशा का प्रतीक बने। पारंपरिक संगीत ने वातावरण में खुशी भर दी, जिससे छात्रों और निवासियों को उत्सव की खुशी में शामिल होने के लिए प्रेरित किया। विशेष रूप से, प्रभावशाली व्यक्ति नविका कोटिया ने उत्सव में भाग लिया, जिससे दिन और भी खास बन गया।

दिवाली की खुशी फैलाने के प्रयास में, टीम क्षितिज ने सड़कों पर बच्चों को खाद्य दान भी किया, यह सुनिश्चित करते हुए कि वे भी त्यौहार की गर्माहट का अनुभव कर सकें। यह आउटरीच पहल क्षितिज के मिशन के साथ गूंजती है, जिसका उद्देश्य उन लोगों के जीवन में प्रकाश लाना है, जिन्हें इसकी सबसे ज्यादा जरूरत है, जिससे यह त्यौहार एक सचमुच समावेशी उत्सव बन गया।

यह दिन सामुदायिक शक्ति की एक भावनात्मक याद दिलाने वाला था, यह दिखाते हुए कि सबसे उज्ज्वल उत्सव वे होते हैं जो दूसरों पर सकारात्मक प्रभाव छोड़ते हैं। मिथीबाई क्षितिज की दिवाली पहलों, नविका कोटिया की उपस्थिति से बढ़ी हुई, ने उदारता और साझा खुशी के इशारों के माध्यम से त्यौहार की आत्मा को जीवंत किया।

प्रतिबंध के बाद भी जमकर फोड़े पटाखे

॥ राष्ट्र टाइम्स ॥

देश के शीर्षस्थ न्यायालय और सरकार के सख्त आदेशों और पाबंदियों के बाद भी दिवाली की रात को जमकर पटाखे चलाए गए। जिसकी वजह से दिल्ली, नोएडा, गाज़ियाबाद, गुरुग्राम, मुंबई और अन्य शहरों की हवा जहरीली हो गई। जिसकी वजह से रात के समय एक्यूआई का स्तर काफी जगह 900 के पार भी दर्ज किया गया था। दिल्ली सरकार ने 14 अक्टूबर को पूरे राज्य में पटाखों के उत्पादन, बिक्री, स्टोरेज और उपयोग पर पूर्णतः प्रतिबंध लगाया था। जो 1 जनवरी 2025 तक लागू रहेगा। इसके बाद भी दिल्ली के लोग दिवाली की अगली सुबह धुंध और प्रदूषण के साथ जगे। जानकारी के मुताबिक दिल्ली में प्रदूषण का स्तर पिछले तीन सालों में सबसे खराब रहा है। जिसकी वजह से बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक के लिए हवा दमघोंटू साबित हो सकती है।

कई राज्यों में पटाखों पर प्रतिबंध

प्रदूषण का स्तर कई जगहों पर बेहद गंभीर श्रेणी में नजर आया। बता दें कि दिल्ली के इलाकों में एक्यूआई 350 से ऊपर दर्ज की गई थी। इसकी वजह से लोगों को सांस लेने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। कई राज्यों में दिवाली की अगली सुबह धुंध की चादर और प्रदूषण देखने को मिला। दिल्ली के अलावा बिहार के पटना, गया, मुजफ्फरपुर और हाजीपुर में भी पटाखों पर प्रतिबंध लगाया गया था। वहीं महाराष्ट्र और बंगला में पटाखों को लेकर बैन लगा रहा। हालांकि ग्रीन पटाखों को जलाने की अनुमति दी गई थी। लेकिन फिर भी राज्यों में चोरी छुपे पटाखों की खरीदी और बिक्री जारी रही। जिसकी वजह से वायु प्रदूषण का स्तर बढ़ा हुआ रहा। पंजाब और हरियाणा में राज्य सरकार ने दिवाली, क्रिसमस और नए साल सहित प्रमुख त्यौहारों पर पटाखे जलाने का समय सीमित किया था।

एक्यूआई 0 से लेकर 50 के बीच अच्छी क्वालिटी की मानी जाती है। वहीं 51 से लेकर 100 के बीच यह संतोषजनक होती है। 101 से 200 के बीच इसे मध्यम श्रेणी में रखा जाता है। 201 से 300 तक यह खराब मानी जाती है। इसके अलावा 301 से लेकर 400 के बीच यह बेहद खराब और 401 से 500 के बीच इसे गंभीर श्रेणी में रखा जाता है। इस साल हवा नहीं चलने की वजह से प्रदूषण की स्थिति चिंताजनक हो गई है।

लक्ष्मी नगर विधान सभा में कालिंदी फाउंडेशन के सौजन्य से आधार कार्ड का तीन दिवसीय कैंप लगाया गया। कालिंदी फाउंडेशन के अध्यक्ष मानवेन्द्र प्रताप सिंह ने बताया कि क्षेत्र में जनता को आधार कार्ड को लेकर काफी परेशान थी। उसे देखते हुए संस्था ने मिनस्ट्री ऑफ कम्युनिकेशन के सहयोग से संस्था के रजिस्टर्ड कार्यालय पर कैंप को लगाया। उन्होंने बताया कि भविष्य में भी क्षेत्र के लिये विभिन्न क्षेत्रों में उनकी संस्था अग्रसर होकर काम करती रहेगी।

तिरुमला मंदिर में केवल हिंदु कर्मचारी ही काम करेंगे

तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) बोर्ड के नवनियुक्त अध्यक्ष बीआर नायडू ने कहा कि भगवान वेंकटेश्वर के निवास तिरुमला में काम करने वाले सभी लोग हिंदू होने चाहिए। उन्होंने कहा, तिरुमला में काम करने वाला हर व्यक्ति हिंदू होना चाहिए। यह मेरा पहला प्रयास होगा। इसमें कई मुद्दे हैं। हमें इस पर गौर करना होगा। भगवान वेंकटेश्वर के भक्त नायडू ने कहा कि वह टीटीडी बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किए जाने को अपना सौभाग्य मानते हैं। उन्होंने बोर्ड का नेतृत्व करने की जिम्मेदारी देने के लिए आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू को धन्यवाद दिया। टीटीडी अध्यक्ष ने यहां पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि वह आंध्र प्रदेश सरकार से बात करेंगे कि दूसरे धर्मों के कर्मचारियों के संबंध में क्या फैसला लिया जाए, क्या उन्हें अन्य सरकारी विभागों में भेजा जाना चाहिए या वीआरएस (स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति) दी जानी चाहिए। नायडू ने आरोप लगाया कि पिछली वाईएसआर कांग्रेस सरकार के दौरान तिरुमला में कई अनियमितताएं हुईं। उन्होंने कहा कि मंदिर की पवित्रता बरकरार रखी जानी चाहिए।

बता दें कि तिरुपति मंदिर में लड्डू प्रसाद को लेकर काफी बवाल हुआ था। मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने दावा किया था कि उनकी पूर्ववर्ती जगन मोहन की सरकार में तिरुपति बालाजी के लड्डू प्रसादम में मिलावटी घी का इस्तेमाल किया जाता था। एक लैब की जांच रिपोर्ट का हवाला देते हुए उन्होंने कहा था कि इसमें गाय और सुअर की चर्बी का इस्तेमाल किया जाता था। उनके आरोपों के बाद जगन मोहन रेड्डी ने सफाई दी थी कि लड्डू बनाने में शुद्ध घी का ही इस्तेमाल किया जाता था। वहीं यह मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया। सुप्रीम कोर्ट ने नसीहत देते हुए कह कि धर्म और राजनीति को मिश्रित करने की कोई जरूरत नहीं है।

महाराष्ट्र में एमवीए की बनेगी सरकार

महाराष्ट्र में महा विकास अघाड़ी में सीटों के बंटवारे को लेकर मची खींचतान पर झारखंड के कांग्रेस प्रभारी गुलाम अहमद मीर ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में एमवीए की सरकार बनेगी।

झारखंड के कांग्रेस प्रभारी गुलाम अहमद मीर ने कहा, "महाराष्ट्र में असंवैधानिक सरकार है, वहां जनता की चुनी हुई लीगल सरकार नहीं है। रात के 12 बजे तोड़फोड़ और खरीद-फरोख्त करके वहां सरकार बनाई गई थी। महाराष्ट्र में जो गठबंधन है, मेरा मानना है कि वो अब तक का सबसे अच्छा गठबंधन है, जिसे महाराष्ट्र की जनता बहुमत देने जा रही है। महाराष्ट्र में एमवीए की ही सरकार बनेगी।"

उन्होंने हरियाणा विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को मिली हार पर भी बात की। उन्होंने कहा कि हरियाणा में दो चीज सामने आई। पहली बात ये है कि जनता तो भाजपा को हटाने के लिए तैयार बैठी थी और दूसरी बात ये है कि सीटों को लेकर थोड़ा मतभेद था। हरियाणा में जो हार मिली है, उसकी क्या वजह है। इन पर चर्चा भी की गई है।

उन्होंने आगे कहा कि मैं झारखंड का प्रभारी हूं और मुझे यहां किसी भी तरह की कोई ग्रुपबाजी नहीं दिखी है। जितनी भी बैठक हमारी इस चुनाव को लेकर हुई है, उसमें सकारात्मक रूप से चर्चा की गई है। झारखंड में पार्टी मजबूत स्थिति में है और यहां अच्छी तरह से चुनाव लड़ रही है।

झारखंड के कांग्रेस प्रभारी गुलाम अहमद मीर ने कहा कि पहले एक कमेटी दिल्ली में दो घंटे तक चर्चा करती थी और उसके बाद लिस्ट जारी करती थी, मगर यहां तीन महीने तक कमेटी ने सीटों को लेकर चर्चा की है, जितने भी उम्मीदवार थे, सबसे बात की गई थी।

उन्होंने आगे कहा कि हमारे सीनियर लीडर के पांच ग्रुप विधानसभा क्षेत्रों में भेजे गए, जिसके बाद कैंडिडेट ने अपनी ताकत को बताया, और उसके बाद सीट बंटवारे को अंतिम रूप दिया गया।

राजस्थान-महाराष्ट्र चुनाव में कांग्रेस की होगी जीत

राजस्थान में विधानसभा उपचुनाव को लेकर सियासत तेज है। इस बीच राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के सीनियर नेता अशोक गहलोत ने अपने राज्य की 7 सीटों पर हो रहे उपचुनाव को लेकर बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सभी 7 सीटों पर चुनाव लड़ रही है और जीतेगी भी। इतना ही नहीं उन्होंने महाराष्ट्र में भी कांग्रेस की जीत का भरोसा जताया है।

इसके अलावा अशोक गहलोत अपने कार्यकर्ताओं के साथ आम जनता से भी मिले। इस दौरान उन्होंने कहा कि दोनों ही राज्यों में कांग्रेस के प्रति माहौल अच्छा है, सब मिलकर कैंपेन कर रहे हैं। इसी के साथ उन्होंने सभी को दीपावली की शुभकामनाएं दीं। राजस्थान की सियासत में बीजेपी अशोक गहलोत और सचिन पायलट के रिश्तों को लेकर लगातार निशाना साध रही है। जबकि दोनों ही नेताओं को महाराष्ट्र में जिम्मेदारी दी गई है। लेकिन बीजेपी सियासत में गहलोत और पायलट ही राजस्थान में नजर आ रहे हैं।

दौसा में कांग्रेस उम्मीदवार के लिए वोट मांगने पहुंचे अशोक गहलोत ने एक ऐसा बयान दे दिया जिससे राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। दौसा में अशोक गहलोत ने कहा कि जयपुर से लेकर दिल्ली तक यह चर्चा है कि दौसा की सीट पर बीजेपी-कांग्रेस की मैच फिक्सिंग है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि यह गंभीर बात है। दौसा के सांसद मुरारीलाल मीणा ने टिकट दिलवा दी है, इसलिए कांग्रेस उम्मीदवार को मेहनत कर के जिताना है। दौसा सचिन पायलट का गढ़ कहा जाता है।

बीजेपी में शामिल हुए कांग्रेस नेता

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम में, कांग्रेस नेता रवि राजा ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल होने का फैसला किया है। राजा ग्रेटर मुंबई नगर निगम में विपक्ष के नेता रहे हैं और 44 वर्षों से अधिक समय से पार्टी के सदस्य थे। पूर्व कांग्रेस नेता और मुंबई नगर निगम के पूर्व एलओपी रवि राजा महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम देवेंद्र फड़नवीस की मौजूदगी में बीजेपी में शामिल हुए। डिप्टी सीएम देवेंद्र फड़णवीस ने कहा कि रवि राजा के साथ-साथ कई कांग्रेस नेता हमारे संपर्क में आ रहे हैं और वे बीजेपी में शामिल होना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि जल्द ही वे कांग्रेस छोड़कर बीजेपी में शामिल होंगे। मुझसे नाम मत पूछिए लेकिन आने वाले दिनों में कांग्रेस नेता हमारे साथ आएंगे। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि हमारे गठबंधन से कुछ लोगों ने क्रॉस नॉमिनेशन कर दिया है। सभी सहयोगी दल एक साथ बैठे और क्रॉस नामांकन के सभी मुद्दों को आपस में सुलझा लिया। एक-दो दिन में आपको इसका असर दिखने लगेगा।

भाजपा नेता ने कहा कि हमारे गठबंधन के कुछ बागियों ने अपना नामांकन दाखिल किया है, हम उन्हें भी अपना नामांकन वापस लेने के लिए मनाने की कोशिश कर रहे हैं। हम दिवाली के बाद 4-5 नवंबर को अपना अभियान पूरे जोर-शोर से शुरू करेंगे। इसके बाद उन्होंने कहा कि गोपाल शेट्टी बीजेपी के एक समर्पित वरिष्ठ और समर्पित नेता हैं और कभी-कभी वह कुछ मांग करते हैं लेकिन अंततः वह पार्टी का समर्थन करते हैं।

सोमनाथ फाउंडेशन द्वारा पटपड़गंज गांव में नई ब्रांच का शुभारंभ मयूर विहार फेस वन के एसीपी रोहिताश कुमार के द्वारा किया गया इस ब्रांच के उद्घाटन के उपलक्ष में फाउंडेशन द्वारा निशुल्क स्वास्थ्य जांच का आयोजन किया जिसमें क्षेत्र के 500 लोगों ने लाभ उठाया। उद्घाटन समारोह में संस्था की ट्रस्टी श्रीमती साधना सिंह डायरेक्टर, डीपी रावल डिप्टी डायरेक्टर, रंजना रावल मैनेजर, सतीश कुमार मैनेजर ज्ञान प्रकाश के साथ-साथ क्षेत्र के सम्मानित व्यक्ति माहेश्वरी, रमेश दत्ता, रूपेंद्र शर्मा, विनय पाल, सोमनाथ फाउंडेशन के वरिष्ठ चिकित्सा डॉक्टर जेपी स्वामी प्रभात रोशन डॉ दीप्ति गुप्ता डॉक्टर अनु सिरोही डॉक्टर साक्षी महेश्वरी डॉक्टर प्रीती उपाध्याय व समस्त सोमनाथ फाउंडेशन का स्टाफ में ने इस काम में आए सभी लाभार्थियों को शुगर की जांच थायराइड, फेफड़ों, नसों की जांच के साथ-साथ दांतों का चेकअप निशुल्क परामर्श दिया गया।

ऑर्गेनिक एप्पल फेस्टिवल में साध्वी प्राची का उदघोष

॥ चंद्र मोहन शर्मा ॥

अक्सर अपने विवादास्पद भाषणों और खुल कर हिंदू हित की प्रखर वक्त साध्वी प्राची ने तालकटोरा स्टेडियम में आयोजित ऑर्गेनिक एप्पल फेस्टिवल में एकबार फिर अपने ललकार भरे स्वर में हिन्दू संप्रदाय को सावधान करते हुए कहा कि बटोगे तो कटोगे तो उस वक्त यहां मौजूद सभी मेहमानों और अतिथियों ने करतल ध्वनि से साध्वी के इस संबोधन का स्वागत किया, प्राची ने कहा राजनेता अब नीचता की राजनीति पर उतर आए है, हिंदुओं को ही आपस में बांट कर कमजोर करने में लगे है जिससे आज जो अल्पसंख्यक है कल को वो हो बहुसंख्यक हो जाए। साथ ही साध्वी ने आवाहन किया हमें अपनी युवा पीढ़ी की फास्ट फूड में धकेलने से रोककर ऑर्गेनिक फूड की और ले जाना होगा डॉक्टर भी कहते है एक एप्पल रोज खाए डॉक्टर के पास नहीं जाना पड़ेगा, इस अवसर पर साध्वी प्राची ने डॉक्टर बसंत गोयल के ऑर्गेनिक मूवमेंट की जमकर तारीफ करते हुए कहा बसंत गोयल को मेरा साधुवाद और आशीर्वाद कि हर कदम पर उन्हें सफलता मिले। "सनातन गुरु और ऑर्गेनिक एप्पल फेस्टिवल" के आयोजक विश्व विख्यात लेखक और ऑर्गेनिक क्रांति के जनक डॉ. बसंत गोयल ने सभी धर्म गुरुओं का स्वागत करने और उनकी चरण वंदना के उपरांत अपने वक्तव्य में कहा इस आयोजन को करने का उनका उद्देश्य भारतीय सांस्कृतिक और विरासत से युवा पीढ़ी को अवगत कराने के साथ-साथ आम आदमी की औसत आयु को बढ़ाना भी है, गोयल ने कहा प्राचीनकाल से हमारे ऋषि मुनि हिमालय की चोटियों और घने जंगलों के बीच कंद मूल खाते है।

प्रभु श्री राम जब 14 साल के लिए बनवास गए तो साथ कोई किचन नहीं था उन्होंने भी वहां मिलने वाले फल आदि लिया, एक सवाल के जवाब में बसंत गोयल ने कहा हम ऑर्गेनिक फूड के नाम पर बाजारों में मिलने वाला फल फूड ले रहे है ऑर्गेनिक प्रोडक्ट की पहचान स्टीकर नहीं स्वाद से पहचान कीजिए, बसंत गोयल ने कहा आज युवा पीढ़ी जहरीले फास्ट फूड की और बढ़ रही है हार्ट अटैक आदि बीमारियां लगातार बढ़ती जा रही है, इनसे बचाव का एक ही साधन है ऑर्गेनिक अपनाओं और चिरायु बनो।

इस महाआयोजन में अनेक प्रमुख साधु संतों के बीच विशेष रूप से आचार्य महामंडलेश्वर दूधेश्वर नाथ पीठाधीश्वर, बंगला मुक्ति पीठाधीश्वर आशुतोष बगलामुखी आदि पधारे। इस महा आयोजन को सफल बनाने में समिति से जुड़े अतुल मुदगिल और कुलदीप सिंह आदि का सहयोग रहा।

'एक राष्ट्र-एक चुनाव' नामुमकिन है

॥ राष्ट्र टाइम्स ॥

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत अब देश के लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' और 'एक राष्ट्र, एक नागरिक संहिता' को लागू करने की दिशा में काम कर रहा है। मोदी के इस बयान को लेकर राजनीति तेज हो गई है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने इस पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। खड़गे ने कहा कि पीएम मोदी ने जो कहा है, वो ऐसा नहीं करेंगे, क्योंकि जब बात संसद में आएगी तो उन्हें सभी को विश्वास में लेना होगा, तभी ऐसा होगा। ये नामुमकिन है, 'वन नेशन वन इलेक्शन' नामुमकिन है।

गुजरात के केवडिया में राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह में बोलते हुए, पीएम मोदी ने कहा कि 'एक राष्ट्र, एक पहचान पत्र', 'एक राष्ट्र, एक राशन कार्ड' और 'एक राष्ट्र, एक स्वास्थ्य बीमा' की सफलता के बाद, सरकार अब 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' और 'एक राष्ट्र, एक धर्मनिरपेक्ष नागरिक संहिता' शुरू करने पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आज, हम वन नेशन आइडेंटिटी-आधार की सफलता देख रहे हैं, जिसकी विश्व स्तर पर भी चर्चा हो रही है। पहले, भारत में कई कर प्रणालियां थीं, लेकिन हमने एक राष्ट्र, एक कर प्रणाली-जीएसटी की स्थापना की। मोदी ने कहा कि हमने वन नेशन, वन पावर ग्रिड से देश के पावर सेक्टर को मजबूत किया। हमने वन नेशन, वन राशन कार्ड के माध्यम से गरीबों के लिए संसाधनों को एकीकृत किया। हमने आयुष्मान भारत के रूप में देश के लोगों को वन नेशन, वन हेल्थ इंश्योरेंस की सुविधा भी प्रदान की।

एकता के इन प्रयासों को आगे बढ़ाते हुए, हम अब एक राष्ट्र, एक चुनाव की दिशा में काम कर रहे हैं, जो भारत के लोकतंत्र को मजबूत करेगा, भारत के संसाधनों के उपयोग को अनुकूलित करेगा और एक विकसित भारत के दृष्टिकोण को प्राप्त करने को नई गति देगा।

नीतीश के करीबी रहे आरसीपी सिंह ने नई पार्टी का किया ऐलान

॥ राष्ट्र टाइम्स ॥

पूर्व केंद्रीय मंत्री आरसीपी सिंह ने जदयू और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को चुनौती देने का संकेत देते हुए अपनी नई राजनीतिक पार्टी आप सबकी आवाज लॉन्च की। सिंह ने कुर्मियों के बीच पटेल के सांस्कृतिक महत्व को ध्यान में रखते हुए सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर पार्टी की घोषणा की, एक ऐसा समुदाय जो वह कुमार के साथ साझा करते हैं। उन्होंने कहा कि मैंने अपनी पार्टी का नाम 'आप सबकी आवाज' (एएसए) रखा है।' पार्टी का प्रतीक एक आयताकार झंडा होगा जिसमें सबसे ऊपर हरा, बीच में पीला और सबसे नीचे नीला रंग होगा। चुनाव चिन्ह मिलने पर उस पर बीच का पीला रंग पुतवाया जाएगा।

बिहार के शराबबंदी कानूनों और बिगड़ती सार्वजनिक शिक्षा की आलोचना करने वाले सिंह का लक्ष्य अगले चुनाव में 243 विधानसभा सीटों में से 140 पर उम्मीदवार खड़ा करना है। बिहार के मुख्यमंत्री के नालंदा जिले से आने वाले, सिंह उत्तर प्रदेश कैडर के आईएएस अधिकारी थे, और केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर, सिंह पहली बार नीतीश कुमार से जुड़े थे जब वह रेल मंत्री थे। उनके प्रशासन से प्रभावित होकर, कुमार ने सिंह को बिहार में अपना प्रमुख सचिव नियुक्त किया, और सिंह ने बाद में जेडी (यू) के साथ राजनीति में प्रवेश किया, और दो राज्यसभा कार्यकालों तक सेवा की।

हालाँकि, 2021 में मोदी मंत्रिमंडल में शामिल होने के बाद, कुमार को सिंह पर उनके खिलाफ साजिश रचने का संदेह हुआ, जिसके कारण सिंह को जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद से इस्तीफा देना पड़ा। सिंह को तीसरे राज्यसभा कार्यकाल से भी वंचित कर दिया गया। बाद में वह जद (यू) की महत्वपूर्ण सहयोगी भाजपा में शामिल हो गए। यह घटनाक्रम प्रशांत किशोर द्वारा अपनी पार्टी जन सुराज लॉन्च करने और घोषणा करने के लगभग एक महीने बाद आया है कि वह 2025 में अगले विधानसभा चुनावों में सभी सीटों पर चुनाव लड़ेगी। जन सुराज अगले महीने होने वाले विधानसभा सीटों पर उपचुनाव भी लड़ेंगे।

राज ठाकरे भाजपा की तारीफ कर रहे हैं क्योंकि उन्हें अपने बेटे की फिक्र है

मतदान से पहले ही महाराष्ट्र में चुनाव के बाद की तैयारियां शुरू हो गई हैं। राज ठाकरे ने कहा है कि मनसे भाजपा के नेतृत्व वाली अगली महायुति सरकार का हिस्सा होगी, जिसका मुख्यमंत्री भाजपा पार्टी का होगा। शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे पर कटाक्ष किया कि अगला मुख्यमंत्री भाजपा से होगा। राउत ने कहा कि ठाकरे का भाजपा को समर्थन उनके बेटे अमित ठाकरे के लिए चिंता से आता है, जो महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में माहिम निर्वाचन क्षेत्र से अपना चुनावी पदार्पण कर रहे हैं।

शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत ने कहा कि महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के अध्यक्ष राज ठाकरे सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की इसलिए तारीफ कर हैं क्योंकि उन्हें अपने बेटे अमित ठाकरे की फिक्र है। अमित ठाकरे

महाराष्ट्र में 20 नवंबर को हो रहे विधानसभा चुनाव में मुंबई की माहिम सीट से मनसे प्रत्याशी के रूप में पहली बार चुनाव में उतर रहे हैं। राज ठाकरे ने कहा था कि मनसे और भाजपा चुनाव के बाद साथ आ जायेंगी एवं अगला मुख्यमंत्री भाजपा से होगा।

राउत ने संवाददाताओं से कहा, जिस व्यक्ति का बेटा चुनाव लड़ रहा हो, उसकी मानसिकता समझी जा सकती है। जो व्यक्ति कभी कहता था कि भाजपा को महाराष्ट्र से भगा देना चाहिए तथा अमित शाह एवं नरेन्द्र मोदी को राज्य में घुसने नहीं देना चाहिए, वह आज भाजपा की तारीफ कर रहा है।

अखिलेश ने बढ़ाई सीएम योगी की धड़कनें

उत्तर प्रदेश में न तो राजनीतिक स्थितियां बदली है और न ही हालात! ऐसे में उपचुनाव में सभी सीटें पर जीत का दावा करने वाले यूपी के मुखिया सीएम योगी के सामने एक आग का दरिया है और उसमें तैर कर जाने वाले हालत है। क्योंकि मिल्कीपुर को छोड़कर जिन सीटों पर चुनाव हो रहे हैं उनमें पांच सीटें सीसामऊ, कटेहरी, करहल, मिल्कीपुर और कुंदरकी सपा के पास थीं। जबकि फूलपुर, गाजियाबाद, मझवां और खैर भाजपा के पास थी। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने चुनौती देते हुए कहा है कि उत्तर प्रदेश में 9 सीटों पर हो रहे उपचुनाव में अगर बेईमानी नहीं हुई और निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से चुनाव हुआ तो समाजवादी पार्टी सभी सीटें जीतेगी और भाजपा सभी सीटें हार जाएगी। अब बड़ा सवाल यही है कि लोकसभा चुनाव में कह कर बीजेपी को हराने वाले

अखिलेश यादव की यह बात सच साबित हुई तो फिर यूपी में बीजेपी अपने मुख्यमंत्री का चेहरा बदल देगी। ठीक वैसे ही जैसे उत्तराखंड, हरियाणा और राजस्थान में किया। सूत्रों की मानें तो यूपी के सीएम योगी पर दोहरा दबाव है। पहला दबाव एनडीए के सहयागी दलों का है जिसमें ओमप्रकाश राजभर, संजय निषाद और अनुप्रिया पटेल है। दूसरा दबाव यूपी उपचुनाव का है। क्योंकि उन्हें साफ संकेत दे दिये गये हैं कि यदि उपचुनाव में बीजेपी हारती है तो फिर उनके सामने संकट है। इसलिए यूपी उपचुनाव में आलाकमान ने सीएम योगी को फ्रीहैंड दिया है। वह जिसको चाहे, जहां से चाहे, जैसे चाहे लड़ाये।

गतांक से आगे

बैंकों में डिपॉजिट घट रहे हैं-लोन बढ़ रहे हैं

॥ प्रमोद शर्मा ॥

सेविंग्स खाते में तो बैंक महज ढ़ाई-तीन फीसदी ब्याज देते हैं और फिक्स्ड डिपॉजिट में 6-7 फीसदी। दूसरी ओर म्युचुअल फंडों ने तो 50-60 फीसदी तक का रिटर्न दिया इसका नतीजा है कि ग्राहक अब उस ओर आकर्षित हो रहा है। इससे डिपॉजिट कम होते जाने का खतरा बढ़ता जा रहा है जबकि बैंकों के लिए ऋण देना मूल कार्य है जिससे उनका लाभ या घाटा जुड़ा हुआ है।

देश के सबसे बड़े बैंक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की पूर्व चेयरपर्सन अरुंधति भट्टाचार्य ने डिपॉजिट पर देश के बैंकों को कड़ी नसीहत दी है। उन्होंने कहा कि बैंकों में पैसा रखने का जमाना अब खत्म हो गया है। लेकिन बैंक अभी भी पुराने ढर्रे पर काम कर रहे हैं जबकि आज की युवा पीढ़ी निवेश के लिए किसी भी प्रकार का जोखिम उठाने को तैयार है और इसमें एसआईपी यानी सिप (SIP) का बड़ा रोल है। उन्होंने

बैंकों को नसीहत देते हुए कहा कि उन्हें वास्तविकता को समझना होगा। अब वह जमाना चला गया जब हमारी पीढ़ी के लोग बैंकों में डिपॉजिट की बड़ी बात समझते थे। आज के युवा बैंकों में पैसे डिपॉजिट करने की बजाय निवेश पर जोखिम उठाने पर यकीन करते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि पहले हमारा बैंकिंग सिस्टम डिपॉजिट पर निर्भर रहता था। लेकिन अब नहीं लगता कि वह दौर अब दोबारा लौटेगा। उन्होंने कहा कि आज का युवा बचत भी कर रहा है और उसे सिप में लगा रहा है। सिप के जरिये देश की बड़ी आबादी बचत के साथ-साथ निवेश भी कर रही है। कोई भी आदमी म्युचुअल फंड के जरिये मार्केट में निवेश कर सकता है चाहे उसके पास छोटी रकम क्यों न हो। यह पैसा म्युचुअल फंड में लगता है और वह आपका पैसा शेयरों में लगाता है। उन्होंने यह भी कहा कि युवा पीढ़ी का रुझान सिप के जरिये म्युचुअल फंडों में निवेश के प्रति बढ़ने से बैंकों का काम बढ़ गया है। उन्होंने बैंकों को आगाह करते हुए कहा कि उसके ट्रेजरी डिपार्टमेंट को अपने ऑपरेशन्स को बढ़ाना होगा। अब उसे ऐसेट और लाइबिलिटी के बीच अपनी सक्रियता बढ़ानी होगी।

ये दो उद्धरण इस बात की ओर साफ इशारा कर रहे हैं कि बैंकों के लिए घंटी बज गई है। उन्हें अब बदलते समय और सेविंग्स पैटर्न के साथ अपने को बदलना होगा। उन्हें नये विचार लाने होंगे तथा नये प्रॉडक्ट पर काम भी करना होगा। नई स्कीमों को जनता के सामने पेश करना ही वक्त की मांग है जिससे बैंक मजबूत हों।

दिल्ली के बीकानेर हाउस में दीपोत्सव 2024 महोत्सव

॥ मनोज शर्मा ॥

राजस्थान के मुख्य सचिव सुधांष पंत ने किया शुभारंभ

नई दिल्ली के बीकानेर हाउस में दीपावली पूर्व दीपोत्सव 2024 का आयोजन किया गया। जिसमें प्रसिद्ध राजस्थानी लोकगायक रफीक लंगा ने अपने गायन से आगंतुकों को उत्साहित किया।

बीकानेर हाउस के चांदनी बाग में आवासीय आयुक्त कार्यालय द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम का राज्य के प्रमुख सचिव सुधांष पंत ने दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया। इस अवसर पर अतिरिक्त आवासीय आयुक्त श्रीमती अंजू ओम प्रकाश, उप आवासीय आयुक्त श्रीमती रिंकू मीणा, मनोज सिंह सहित दिल्ली स्थित राज्य सरकार के विभिन्न विभागों के अधिकारी भी उपस्थित थे।

कार्यक्रम की जानकारी देते हुए अतिरिक्त आवासीय आयुक्त श्रीमती अंजु ओमप्रकाश ने बताया कि इस दीपोत्सव के आयोजन का मुख्य उद्देश्य बीकानेर हाउस प्रांगण में राजस्थानी परंपरा के अनुरूप दीपावली उत्सव मनाना है।

कार्यक्रम का प्रारंभ गणेश वंदना से हुआ। इसके उपरांत लोकगायक रफीक लंगा द्वारा प्रस्तुत विभिन्न फिल्मी और गैर फिल्मी गीतों एवं सूफी संगीत ने कार्यक्रम में उपस्थित विशिष्टजनों और आगंतुकों को आनंदित किया।

एक राष्ट्र-एक चुनाव: देश के लिए बेहद फायदेमंद

॥ राष्ट्र टाइम्स ॥

जन सुराज अभियान के प्रमुख प्रशांत किशोर ने कहा कि अगर सही इरादे से लागू किया जाए तो 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' देश के लिए फायदेमंद हो सकता है। प्रशांत किशोर ने कहा, "अगर सही इरादे से लागू किया जाए तो यह विचार देश के लिए बेहद फायदेमंद होगा।" किशोर ने इस बात पर प्रकाश डाला कि प्रस्ताव की सफलता काफी हद तक इसके कार्यान्वयन के पीछे के उद्देश्य और इरादे पर निर्भर करेगी।

प्रशांत किशोर ने कहा कि मैंने इस विचार का स्वागत किया यदि इसे राष्ट्र के लाभ के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ाया जाए, लेकिन इसके दुरुपयोग के प्रति आगाह भी किया। यदि इस कानून का उपयोग विशिष्ट समूहों को लक्षित करने या नुकसान पहुंचाने के लिए किया जाता है, तो इसके नकारात्मक परिणाम हो सकते हैं। सरकार के दृष्टिकोण की ईमानदारी और सत्यनिष्ठा ही इसकी सफलता तय करेगी। चुनावी राजनीति में अपने व्यापक अनुभव के आधार पर, किशोर ने इस बात पर प्रकाश डाला कि देश की लगभग एक-चौथाई आबादी हर साल विभिन्न राज्यों और सरकार के स्तरों पर लगातार चुनावों के कारण मतदान करती है।

उन्होंने बताया कि यह निरंतर चुनाव चक्र अक्सर सत्ता में बैठे लोगों को शासन पर पूरी तरह से ध्यान केंद्रित करने से रोकता है, क्योंकि वे हमेशा चुनावी मोड में रहते हैं। किशोर का मानना है कि एक कार्यकाल में एक या दो बार चुनाव कराने से न केवल सरकार के पास शासन पर ध्यान केंद्रित करने के लिए अधिक समय होगा, बल्कि सरकार और जनता दोनों के लिए समय और संसाधन भी बचेंगे। उन्होंने कहा कि 'एक राष्ट्र एक चुनाव' की अवधारणा चुनाव सुधारों पर व्यापक बातचीत को जोड़ती है, जिसका उद्देश्य अधिक दक्षता और शासन स्थिरता के लिए देश भर में चुनावों को सुव्यवस्थित करना है।

दिल्ली में राजस्थान महेश्वरीयों ने मनाया दीपावली उत्सव

॥ राकेश जाखेटिया ॥

राजस्थान माहेश्वरी सेवा समिति द्वारा दीपावली मंगल मिलन समारोह का आयोजन मेजबान बैंक्वेट नजदीक यूनिटी मॉल सीबीडी ग्राउंड विश्वास नगर ईस्ट दिल्ली, आयोजित किया गया ।

समिति के अध्यक्ष द्वारका प्रसाद, महामंत्री महेश कोठारी तथा समिति के कार्यकारिणी सदस्यों के निमंत्रण पर राजस्थानी माहेश्वरी समाज ने कार्यक्रम में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम में लगभग समाज के 2000 व्यक्तियों ने भाग लिया चारों तरफ वातावरण में प्रसन्नता ही प्रसन्नता रही। मंच पर मनोरंजन हेतु निपुण कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम सभी दीपावली व्यस्त दिखाई दिए ।

संख्या बल में कम - दिमाग व परिश्रम में अग्रणीय दिल्ली में राजस्थानी मारवाड़ी माहेश्वरी समाज बहुत लंबे समय से अलग ही पहचान बनाने में सफल हुए हैं दिल्ली में अपनी बोली व भाषा से भी अपनी अलग पहचान बनाने में सफल हुए हैं । समाज में सबका साथ सबका विकास के सिद्धांत पर यह अपने परिवार तथा क्षेत्रीय व्यक्तियों के साथ व्यापार करना ज्यादा लाभकारी सौदा समझते हैं। इनकी पारिवारिक और बोलचाल की भाषा मारवाड़ी होती है। जैसे दिल्ली में पंजाबी भाषा का अपना स्थान है उसी प्रकार दिल्ली में राजस्थानी महेश्वरी भी अपनी पहचान बनाने में सफल हुए हैं । जो मारवाड़ी भाषा समझ या बोल नहीं पाता उसे यह मारवाड़ी ही नहीं मानते हैं । आर्थिक संपन्न होने के उपरांत भी दिखावे पर ज्यादा जोर नहीं देते यानी पैसे की कद्र करते हैं ।

राजनीति के मजे हुए खिलाड़ी ओम बिरला लोकसभा अध्यक्ष को देख कर हम सब बड़े ही गौरवान्वित होते हैं । आप इसी महेश्वरी समाज से संबंध रखते हैं ।

व्यवहारिक जीवन में अपने समाज के प्रति बड़ा ही मधुर व्यवहार रखते हैं । समय-समय पर कार्यक्रमों में उपस्थित होकर अपना मार्गदर्शन देते रहते हैं लगभग 100 वर्ष पूर्व जो महेश्वरी राजस्थान से निकल कर अन्य प्रदेशों में जाकर बस गए तथा वहां के वातावरण में रह कर धीरे-धीरे जो मारवाड़ी भूल गए उनको ये कुछ भिन्न मानने लगे है। परंतु सभी माहेश्वरी बंधु महेश नवमी बड़ी ही धूमधाम से मनाते हैं। ऐसी मान्यता है कि इनकी वंशों उत्पत्ति भगवान शंकर से हुई है। यह समाज अधिकांशत धार्मिक एवं संस्कारिक प्रवृत्ति के होते हैं। रक्षाबंधन के साथ साथ ऋषि पंचमी , हरियाली तीज के साथ-साथ बड़ी तीज बड़े ही धार्मिक प्रवृत्ति के साथ मनाते हैं समाज के पदाधिकारी ओम जी तपाड़िया , भाजपा नेता श्याम जाजू, विवेक काबरा, विकास माहेश्वरी (बॉबी), अशोक करनानी अनेक सदस्यों ने कार्यक्रम में पहुंचकर शुभकामनाएं दीं।

मान्यता प्राप्त एवं ओपीएस के लिए सीआरएमएस ने भरी हुंकार

अध्यक्ष डॉ प्रवीण बाजपई के नेतृत्व में आने वाले मान्यता प्राप्त हेतु मुंबई मंडल के कार्यकर्ताओं का विशेष बैठक आयोजित की गई अध्यक्ष ने बैठक में सीआरएमएस की अनेकों उपलब्धियों के बारे में बात करते हुए कहा कि सीआरएमएस हमेशा से रेल कर्मचारियों के हितों के लिए सबसे आगे रह कर उनके कल्याण के लिए कामयाबी हासिल की है। चाहे उसके लिए प्रशासन से भिड़ना पड़े या भूख हड़ताल या रेल रोको आंदोलन करना पड़े। हम कर्मचारियों को न्याय दिलवाने के लिए कभी भी पीछे नहीं हटते हैं सी आर एम एस इसी संकल्प के साथ ओपीएस पुरानी पेंशन व्यवस्था के लिए सदैव संकल्प लिया है । सीआरएमएस शुरू से ही NPS के खिलाफ संघर्षरत रहीं अनेकों लड़ाइयां लड़ी है और अभी भी कर्मचारियों पर हो रहे इस UPS से कुठाराघात का CRMS कड़ा विरोध करती है, और ओपीएस (Old Pension Scheme) मिलने तक अपना जंग जारी रखेगी। जिसके तहत सीआरएमएस ने ओपीएस संकल्प यात्रा का आवाहन किया है। इसी के साथ डाक्टर प्रवीण बाजपेई ने आने वाले बाले समय में मान्यता प्राप्त चुनाव में एक मात्र विजयी होने की रणनीति के सम्बन्ध में अपने विचार व्यक्त किए सभी मंडल के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने सीआरएमएस द्वारा किए गए कार्यों की प्रसंशा की तथा आने वाले मान्यता चुनाव हेतु अपने अपने विचार प्रकट किये । इस अवसर पर सीआरएमएस अध्यक्ष डॉ प्रवीण बाजपई, कार्यकारी अध्यक्ष वि.के सावंत व अनिल महेंद्रू, कोषाध्यक्ष आर.जी महासचिव अनिल कुमार दुबे निंबालकर, मुख्यालय उपाध्यक्ष विवेक शिशोदिया, श्रीमती शिल्पा पालव, एस.के लाल, मुख्यालय एवं मुंबई मंडल सचिव संजीव कुमार दुबे राज कुमार, सहायक महामंत्री अमीर खान, मुख्यालय सचिव एम. वाय खान, मंडल कोऑर्डिनेटर वसीउल हसन, मंडल संगठक शांताराम सहित मंडल एवं शाखा के सभी पदाधिकारी मौजूद रहे।

संचालन मुंबई मंडल सचिव संजीव कुमार दुबे ने किया जानकारी सेन्ट्रल रेलवे मजदूर संघ के जोनल मीडिया सलाहकार आर बी चतुर्वेदी ने दी

एनयूजेआई ने पत्रकार महेश लांगा के खिलाफ संवेदनशील दस्तावेज मामले में दूसरी एफआईआर की निंदा की

नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स, इंडिया के अध्यक्ष रास बिहारी ने गुजरात में द हिंदू अखबार के पत्रकार महेश लांगा के खिलाफ दूसरी एफआईआर की कठोर शब्दों में निंदा करते हुए इसे प्रेस की स्वतंत्रता पर हमला बताया है। एनयूजेआई अध्यक्ष ने बयान जारी कर मांग की कि पत्रकार के खिलाफ दूसरी एफआईआर अविलंब वापस लिया जाना चाहिए।

एनयूजेआई अध्यक्ष रास बिहारी ने कहा कि गोपनीय दस्तावेज रखने के लिए महेश लांगा के खिलाफ दूसरी एफआईआर चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि हमारा मानना है कि पत्रकारों को अक्सर अपने काम के दौरान संवेदनशील दस्तावेजों की समीक्षा करनी पड़ती है। ऐसे में यदि पत्रकारों को संवेदनशील दस्तावेज प्राप्त करने और उनके गहन विश्लेषण के लिए उन पर एफआईआर दर्ज कर उन्हें दंडित किया जाता है तो इससे खोजी पत्रकारिता पर गंभीर असर पड़ेगा।

विदित हो कि जीएसटी धोखाधड़ी के आरोप में 8 अक्टूबर, 2024 से न्यायिक हिरासत में चल रहे लांगा पर 22 अक्टूबर, 2024 को एक अन्य मामले में मामला दर्ज किया गया था। दूसरी एफआईआर गुजरात के गांधीनगर के सेक्टर 7 पुलिस स्टेशन में गुजरात मैरीटाइम बोर्ड से जुड़े गोपनीय दस्तावेज रखने के आरोप में दर्ज की गई थी।

कांग्रेस नेता मतीन अहमद के बेटे-बहू ने थामा आप का हाथ

कांग्रेस को झटका देते हुए उसकी दिल्ली इकाई के वरिष्ठ नेता और सीलमपुर से पांच बार विधायक रह चुके मतीन अहमद के बेटे और बहू आप में शामिल हो गये। इस घटनाक्रम से सत्तारूढ़ पार्टी में कुछ खलबली मच गई है, जिसके सीलमपुर विधायक अब्दुल रहमान ने पार्टी के अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया है।

आप ने एक्स पर एक पोस्ट में घोषणा की कि कांग्रेस नेता चौधरी जुबैर अहमद और उनकी पत्नी शगुफ्ता चौधरी दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से मुलाकात के बाद पार्टी में शामिल हो गए। शगुफ्ता चौधरी दिल्ली नगर निगम में पार्षद हैं।

आप के अंदरूनी सूत्रों ने बताया कि ऐसी अटकलें हैं कि पार्टी सीलमपुर से अब्दुल रहमान को हटाकर उनकी जगह चौधरी जुबैर अहमद को मैदान में उतार सकती है। बाद में अब्दुल रहमान ने आप के अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने की घोषणा की।

उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, "बढ़ती वैचारिक दूरी के कारण यह फैसला लिया है। उम्मीद है कि पार्टी और समर्थक मेरे इस कदम को समझेंगे।" हालांकि, सीलमपुर विधायक ने कहा कि वह पार्टी से नाराज नहीं हैं और इस्तीफा देने का उनका फैसला उनकी बढ़ती पारिवारिक जिम्मेदारियों के कारण है।

चौधरी जुबैर अहमद के शामिल होने के बाद उन्होंने कहा, "यह अच्छी बात है कि आप परिवार बढ़ रहा है।" एक्स पर उनके पोस्ट के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक राजनीतिक व्यवस्था में "वैचारिक मतभेद" "असामान्य" नहीं हैं।

उन्होंने कहा, "मैं पार्टी से नाराज नहीं हूं। बात यह है कि मुझ पर अपनी बेटियों की शादी की जिम्मेदारी है और मैं इसका एकमात्र कार्यकारी सदस्य हूं। मेरे लिए अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ को समय देना मुश्किल हो रहा था और मैंने पार्टी नेताओं को इस बारे में पहले ही सूचित कर दिया था।"

बल्लीमारान में टूटी सड़कों -गंदे पानी की समस्या को लेकर प्रदर्शन

बल्लीमारान विधानसभा में स्थित रामनगर वार्ड के सदर थाना रोड मोतिया खान चौक पर विधायक इमरान हुसैन के खिलाफ टूटी सड़कों और गंदे पानी वह सीवर जाम की समस्या को लेकर प्रदर्शन किया गया।

पूर्व महापौर जयप्रकाश ने बताया दिल्ली में टूटी सड़कें गंदा पानी केजरीवाल और आतिशी सरकार की यही कहानी दिल्ली में जगह-जगह सड़कें टूटी पड़ी है गड्ढे में सड़क है या सड़क में गड्ढा है यह किसी को समझ में नहीं आ रहा लोगों को पीने का पानी गंदा मिल रहा है और बिजली के बिल बढ़कर आ रहे हैं सदर विधानसभा के विधायक सोमदत्त जिनको लोग कहते हैं गुमशुदा की तलाश है लोग उनको दीया लेकर ढूंढ रहे हैं उन्होंने बताया पोल खोल अभियान के तहत हम इनको ढूंढ निकालेंगे और जनता के कार्यों का जवाब मांगेंगे उन्होंने कहा इमरान हुसैन और सोमदत्त के इस्तीफे की मांगा।

भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा जिला चांदनी चौक के प्रभारी विपिन रूखड़ ने कहा टूटी सड़कों से गुजरते वाहन और बढ़ती धूल की वजह से वायु प्रदूषण की स्थिति और भी बिगड़ रही है ना तो यह गड्ढे भरे जा रहे हैं। इससे बल्लीमारान विधानसभा में रहने वाले निवासियों की समस्या हर दिन बढ़ती जा रही है। उन्होंने बताया एशिया की सबसे बड़ी मार्केट जहां पर काफी संख्या में लोग आते जाते है वहीं पर सदर थाना रोड और ईदगाह रोड झंडेवालान रोड रामकुमार मार्ग देशराज भाटिया मार्ग बारा टूटी चौक पर काफी जम से जूझना पड़ता है क्योंकि यहां पर टूटी सड़कों को लेकर जाम रहता है।

उन्होंने कहा मोतिया खान चौक रामकुमार मार्ग से झंडेवालन देवी मंदिर जाने वाले श्रद्धालु और यहां से गुजरने वाले स्कूली बच्चे बहुत ही परेशान होते हैं क्योंकि यहां पर सीवर जाम पानी भरने की समस्या को लेकर कई बार इस मुद्दा को उठाया गया लेकिन बल्लीमारान विधानसभा मंत्री इमरान हुसैन और दिल्ली सरकार इसे ठीक नहीं कर रही। प्रदर्शन में भाजपा जिला कार्यकारिणी सदस्य पवन भाटिया, किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष सत्यभान, ललित भसोढ़, रवि कनेरा, राजीव तंवर, रवि मोरवाल, सुमित बागड़ी, हिरेंद्र शर्मा, अनुज सैनी, सनी कनेरा, किशन राजपूत यश बंसल सहित कई लोग शामिल हुए ।

नेपाल दूतावास में वैश्विक दिवाली उत्सव में 30 से अधिक देश एक साथ आए

फोटो : सुनील सक्सेना

नेपाल के दूतावास ने लायंस क्लब दिल्ली वेज और ग्लोबल ट्रेड एंड टेक्नोलॉजी काउंसिल (इंडिया) के साथ मिलकर नेपाल के दूतावास में एक शानदार दिवाली समारोह का आयोजन किया, जिसमें 27 देशों के राजनयिकों, राजदूतों और विशिष्ट अतिथियों ने रोशनी, संस्कृति और क्रॉस-कल्चरल एक्सचेंज की एक जीवंत शाम में हिस्सा लिया।

दीपावली, जिसे रोशनी के त्यौहार के रूप में जाना जाता है, अंधकार पर प्रकाश और कठिनाई पर समृद्धि की विजय का प्रतीक है। इन मूल्यों को दर्शाते हुए, यह उत्सव विभिन्न संस्कृतियों, परंपराओं और देशों को जोड़ने वाले एक सेतु के रूप में कार्य करता है, जो एकता और वैश्विक कूटनीति की भावना को दर्शाता है। नेपाल दूतावास के प्रभारी महामहिम डॉ. सुरेन्द्र थापा, जीटीटीसीआई की अध्यक्ष डॉ. रश्मि सलूजा और जीटीटीसीआई तथा लायंस क्लब दिल्ली वेज के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. गौरव गुप्ता ने पारंपरिक पटका पहनाकर अंतरराष्ट्रीय मेहमानों का गर्मजोशी से स्वागत किया और दिवाली के उपहारों का आदान-प्रदान किया। लायन अध्यक्ष कपिल खंडेलवाल भी इन उत्सवी स्वागतों में शामिल हुए।

इस कार्यक्रम में अरब लीग, सूरीनाम, सेशेल्स, फिजी, किर्गिस्तान और रोमानिया सहित देशों के मिशन प्रमुखों के साथ-साथ केन्या, मलेशिया, थाईलैंड, सोमालिया, फिलिस्तीन, म्यांमार, मंगोलिया, गिनी, अमेरिका, नेपाल, यूके, इटली, रोमानिया, चिली, स्वीडन, घाना, लेसोथो, बेलारूस, रूस, अजरबैजान, उज्बेकिस्तान और लाओ पीडीआर के दूतावासों के राजनयिकों ने भाग लिया। इस उत्सव में ईरान, जर्मनी, जॉर्डन, ऑस्ट्रिया, तंजानिया और नाइजीरिया जैसे देशों से बड़ी संख्या में प्रवासी समुदाय भी शामिल हुए, जिससे संस्कृतियों का एक उल्लेखनीय संगम देखने को मिला।

विशेष अतिथियों में धीरज धर गुप्ता, पद्म श्री पुरस्कार विजेता नलिनी और कमलिनी, लायन गवर्नर एनके गुप्ता और विनय शर्मा शामिल थे, जिन्होंने उत्सव के माहौल को और समृद्ध बनाया। उपस्थित लोगों को सद्भावना के संकेत के रूप में दिवाली के उपहार भेंट किए गए। भारत और नेपाल के आकर्षक सांस्कृतिक प्रदर्शन हुए, जो उत्सव की रोशनी, लालटेन और जीवंत रंगोली के बीच दिवाली की भावना को दर्शाते थे।

पद्मश्री वीरेंद्र प्रभाकर की याद में संपूर्ण रामलीला का मंचन

एक ऐसे भारतीय प्रेस फोटो जर्नलिस्ट स्व. वीरेंद्र प्रभाकर जिन्हें लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स ने सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले प्रेस फोटो जर्नलिस्ट के रूप में दर्ज किया है। इतना ही नहीं फोटोग्राफी और भारतीय कला एवं संस्कृति के प्रति उनके जज्बे को देखकर हर किसी ने सलाम किया। भारत सरकार सहित अनेक संस्थाओं ने उन्हें सम्मानित किया। फोटोग्राफी के प्रति उनके विशिष्ट योगदान को सम्मानित करते हुए भारत सरकार ने उन्हें 1982 में पद्म श्री के नागरिक सम्मान से सम्मानित किया। इसके बाद दिल्ली राज्य पुरस्कार मिला। अखिल भारतीय ललित कला और शिल्प सोसायटी ने उन्हें 2000 में मिलेनियम 2000 कला विभूषण पुरस्कार से सम्मानित किया उसी वर्ष उन्हें रोटरी इंटरनेशनल से मैन ऑफ द ईयर का पुरस्कार मिला। 2006 में उन्हें आचार्य महाप्रज्ञ अहिंसा प्रशिक्षण सम्मान मिला।

भारतीय कला और संस्कृति को समर्पित पद्मश्री वीरेंद्र प्रभाकर की याद में उनके परिजनों ने श्रीराम भारतीय कला केन्द्र, मंडी हाउस में "युग-युग की सत्य कथा" नामक रामलीला का आयोजन किया। आमंत्रित दर्शकों से खचाखच भरे श्री राम कला केंद्र में इस कार्यक्रम में श्रीराम भारतीय कला केन्द्र के कलाकारों दिल को छू लेने वाली अत्यंत कलात्मक प्रस्तुति दी।

भगवान श्री राम को समर्पित श्रीराम भारतीय कला केंद्र की वो मशहूर नृत्य नाटिका है, जो हमेशा से दिल्लीवालों की पसंद रही है। 3 घंटे की इस प्रस्तुति में केंद्र के कलाकार पूरी रामलीला को दर्शकों को बांधे रखते हैं। केंद्र की निदेशक शोभा दीपक सिंह ने इसका निर्देशन किया है।

नृत्य नाटिका में युद्ध के दृश्यों में मयूरभंज छऊ, कलरिपयट्टु नृत्य शैली का इस्तेमाल किया है। इस प्रस्तुति में रामायण के कई दृष्यों को उनके भावों के साथ पेश किया गया है।

संस्था के उपाध्यक्ष वरिष्ठ कांग्रेसी नेता और पूर्व पार्षद अशोक जैन एवं रवि जैन ने बताया कि पद्मश्री वीरेन्द्र प्रभाकर का जन्म 15 अगस्त, 1928 को उत्तर प्रदेश के एक प्रतिष्ठित जैन और साहित्यिक परिवार में हुआ था। उन्होंने दून स्कूल में प्रख्यात कलाविद् सुधीर खास्तगीर से मूर्तिकला और फोटोग्राफी की शिक्षा प्राप्त की। वर्ष 1947 में उन्होंने पहली बार फोटो पत्रकार के रूप में अपने करियर की शुरूआत की। उनकी खींची हुई 14,958 न्यूज फोटोज विभिन्न राष्ट्रीय समाचार पत्रों के मुखपृष्ठ पर प्रकाशित हुईं, जिनमें हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं के समाचार पत्र शामिल हैं।

पद्मश्री वीरेन्द्र प्रभाकर की कला और फोटोजर्नलिज्म में योगदान को सम्मानित करते हुए चित्र कला संगम प्रतिवर्ष इस रामलीला का आयोजन करता है, जिससे उनकी समृद्ध धरोहर और यादों को जीवित रखा जा सके।

संपूर्ण रामलीला का मंचन

चित्र कला संगम की पहल पर आयोजित इस रामलीला का काफी संख्या में लोगों ने आनंद लिया।

चित्र कला संगम और यशपाल जैन स्मृति के मंत्री रवि जैन और पूर्व पार्षद अशोक जैन ने बताया कि संपूर्ण रामलीला दिल्लीवालों को काफी पसंद है। यह एक दिन में संपन्न हो जाती है। इसी के मद्देनजर वह हर साल पद्मश्री वीरेंद्र प्रभाकर की याद में इसका आयोजन करते हैं। गणमान्य व्यक्तियों के लिए खास व्यवस्था की जाती है। इस मौके पर धार्मिक लीला कमेटी के महासचिव धीरज धर गुप्ता, श्री राम कला केंद्र की निदेशक शोभा दीपक सिंह सहित अनेक विशिष्ट लोगों का अभिनंदन किया गया।

आजादी की पहले रोशनी के गवाह थे वीरेंद्र प्रभाकर

उनके करियर की शुरूआत 1947 में जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व वाली अनंतिम सरकार द्वारा आयोजित एशियाई संबंध सम्मेलन की कवरेज से हुई, जब भारत स्वतंत्रता के संक्रमणकालीन चरण में था। प्रभाकर ने दिल्ली के पुराने किले में आयोजित सम्मेलन को कवर किया, जिसमें महात्मा गांधी और इंडोनेशिया के पूर्व राष्ट्रपति सुकर्णो ने भाग लिया था।

प्रभाकर का करियर जिसमें कथित तौर पर 14,458 प्रकाशित समाचार तस्वीरें थीं और जो 1947 से लेकर 2015 में उनकी मृत्यु तक अनवरत जारी रही, उनकी तस्वीरें कई हिंदी और अंग्रेजी भाषा के दैनिक समाचार पत्रों द्वारा प्रकाशित की गई हैं और विभिन्न विषयों पर उनकी फोटो प्रदर्शनियां कई स्थानों पर आयोजित की गई हैं। वे कला और संस्कृति को बढ़ावा देने वाले दिल्ली स्थित संगठन चित्र कला संगम के संस्थापक सचिव थे।

दिल्ली नगर निगम द्वारा पद्मश्री वीरेंद्र प्रभाकर के नाम पर पुरानी दिल्ली में एक सड़क का नामकरण भी किया गया।

पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. कर्ण सिंह ने पद्मश्री वीरेंद्र प्रभाकर को याद करते हुए एक बार कहा था कि चित्र कला संगम के संस्थापक वीरेंद्र प्रभाकर बहुआयामी प्रतिभा के धनी थे। किसी भी सामाजिक-सांस्कृतिक-साहित्यिक आयोजन में उनकी उपस्थिति रहती थी।

वहीं अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी के महासचिव श्रीमती प्रियंका गांधी ने उन्हें याद करते हुए कहा कि पद्मश्री वीरेंद्र प्रभाकर ऐसे सौभाग्यशाली लोगों में से थे, जो हमारी आजादी की पहली रोशनी के गवाह थे। उन्होंने अपनी कलात्मक दृष्टि से दुनिया देखी, उसे दर्ज किया और कई पुरस्कारों से सम्मानित हुए।

सक्षम टीचर मुहावरों का मतलब समझने में घबराते हैं ...

॥ सतपाल ॥
वरिष्ठ व्यंगकार

हमारे प्यारे, न्यारे भारत देश में राज्यों की राजधानियों, देश की राजधानी दिल्ली, हर राज्यों के महानगरों, विश्व विद्यालयों, बडे-बडे शैक्षिक संस्थानों में और इसके अलावा कई निजी कालेजों में भी किस्म-किस्म के व्यावसायिक विषयों को न केवल बेहतर तरीकों से सिखाया जाता है लेकिन अपना यह कहना उचित नहीं होगा कि केवल सरकारी संस्थान ही युवाओं को नौकरियों के लिए काबिल बनाने के वास्ते दिन रात भावी पढ़ने वाले युवाओं को रट्टा भी लगवाया जा रहा है। इन संस्थानों से पढ़े युवा वर्ग को यह मालूम हो जाता है कि हमारे माता पिता ने अपने धन - बल की परवाह किए बगैर हमारी फीस का लगातार बिना किसी देरी के भुगतान करने में कोई कंजूसी नहीं की और कुछ युवा विद्यार्थियों के अभिभावकों ने यह सोच कर अपने दिल पर हाथ रखकर फीस का भुगतान कर दिया।

माता-पिता आपस में बैठ कर हर रोज अपनी संतान की कामयाबी के लिए प्रार्थना करने लगे। परिणाम आने पर कई ऐसे माता-पिताओं ने मिलकर कहा कि हमने इतने वर्षों में लाखों रुपये बर्बाद कर दिए और हमारे ऊपर जो बिगड़ी है उसे तो हम किसी न किसी तरह बर्दाश्त कर लेंगे लेकिन हमारी संतान तो परिणाम को फर्जी बताकर अपना संतुलन खो चुकी हैं और वे तमाम ऐसे विद्यार्थियों को जमा करके विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं और मिलकर अदालत में दस्तक देने को तैयार हैं। शायद अदालत में जाने के लिए वे अपने-अपने शहर के दानदाताओं के पास जाकर मदद राशि की मांग करेंगे तथा चंदा लेने के लिए सुबह से शाम तक वहीं जमे रहेंगे। इंजीनियर बनने निकले युवाओं और उनके कुछ अभिभावकों की फिलहाल हालत खराब दिख रही है लेकिन असफल रहे युवाओं को लगता है कि हम दूसरी क्लास का ज्ञान अपनी जी-जान लगाकर कंठस्थ करें और इस बार हम उसी तरह ही जीत के ध्वज लहराते हुए घर पहुंचें तो जैसे हरियाणा ने शुरू में अल्पमत का ऐलान किए जाने पर दोनों दलों-बीजेपी और कांग्रेस दोनों ने लगातार मेहनत की और अधिक मेहनत करने वाली बीजेपी ने बाजी मार ली। दूसरी बार तैयारी के संकल्प को लेकर निकले छात्रों ने हरियाणा के उदाहरण से सीख लेकर मिलकर शपथ ली कि इस बार न तो अपने घरों से फीस लेंगे और न ही हम किसी दिन विश्राम करेंगे और हर हाल में हम अपने अभिभावकों के कदमों में विजय पताका के बदले अपनी डिग्री समर्पित करें तथा यह अत्यधिक उल्लास का ऐतिहासिक आयोजन होगा तथा हमारे लिए यह तकदीर में संशोधन का प्रेरक अध्याय साबित हुआ है ।

इस बीच एक राज्य में पूर्वी चंपारण जिले में

एक माध्यमिक विद्यालय में कहते हैं कि यहां का स्टाफ बेहद पढ़ा लिखा है कि वे छात्र-छात्राओं के जीवन की गाड़ी को बुलेट रेलगाड़ी बनाकर उनका जीवन स्वर्णिम बनाने के काम के लिए दिन से रात तक जुटी रहती हैं । एक दिन पता चला कि यहां की टीचरों का ज्ञान सचमुच और उनका मुहावरों का मतलब किसी को भी उड़ते विमान से गिराकर सागर में ले जाकर अधमरा कर देगा।

इसके पीछे महज कि वे हाथ पांव फूलना के मुहावरे का मतलब बताने में कई बार कुछ टीचर बुरी तरह घबरा जाते हैं तो वे इस मुहावरे का मतलब समय पर दारू को नहीं मिलना बताया अब इस टीचर से 24 घंटे के भीतर तमाम प्रमाणपत्र दिखाने और सफाई देने को कहा गया है । इस टीचर ने कुछ देर पहले एक अन्य मुहावरे कलेजे ठंडा होने का मतलब एक पैग गले से नीचे उतरना बताया ।

एक अन्य टीचर ने नेकी कर दरिया में डालने का मतलब फ्री में दोस्तों को पिला देना बताया। यह सब देखकर बाहर से यानी शिक्षा निदेशालय के उच्च अफसरों ने अपने सिर माथा पकड़ लिया ।

श्री श्री रविशंकर का चिंतन

बच्चों की तरह वर्तमान में जीना ही दिव्यता है

प्रत्येक प्राणी सुखी रहना चाहता है। चाहे वह धन, शक्ति या इंद्रिय सुख हो, सब इसमें सुख के लिए लिप्त होते हैं। कुछ व्यक्ति दुःख से भी आनंद प्राप्त करते हैं, क्योंकि इससे उन्हें प्रसन्नता मिलती है। सुखी रहने के लिए हम किसी वस्तु की खोज करते हैं, परंतु उसे प्राप्त करने के बाद भी सुखी नहीं रहते हैं। विद्यालय जाने वाला एक छात्र यह सोचता है कि यदि वह विश्वविद्यालय जाता है तो वह अधिक स्वतंत्र, स्वच्छंद और सुखी होगा। यदि तुम विश्वविद्यालय के छात्र से पूछो कि वह सुखी है तो वह यह कहेगा- यदि उसे नौकरी मिल जाए, तो वह सुखी होगा। अपने व्यवसाय या नौकरी में लगा हुआ व्यक्ति यह कहेगा कि उसे सुखी रहने के लिए एक जीवनसाथी की आवश्यकता है। उसे जीवनसाथी मिल जाता है, फिर भी उसे सुखी रहने के लिए बच्चों की आवश्यकता होती है। जिन लोगों के बच्चे हैं, उनसे पूछो कि क्या वे सुखी हैं? उन्हें कैसे चैन मिल सकता है, जब तक कि उनके बच्चे बड़े न हो जाएं, अच्छी शिक्षा न प्राप्त करें और स्वयं अपने पैरों पर खड़े न हो जाएं।

जो लोग सेवानिवृत्त हो चुके हैं, उनसे पूछो कि क्या वे सुखी हैं। वे उन दिनों को याद कर उन्हें अच्छा कहते हैं, जब वे नौजवान थे। एक व्यक्ति का पूरा जीवन भविष्य में कभी प्रसन्न व सुखी रहने की तैयारी करने में बीत जाता है। आंतरिक रूप से प्रसन्न होने के लिए हमने अपने जीवन के कितने मिनट, घंटे या दिन बिताए हैं। केवल वही वे क्षण हैं, जिनमें आपने अपने जीवन को सही मायने में जिया है। शायद वे केवल वही दिन थे, जब तुम एक छोटे बच्चे थे, पूर्णतया प्रसन्नता और आनंद में या कुछ क्षणों में, जब तुम तैर रहे थे या लहरों से खेल रहे थे या किसी पर्वत के शिखर पर बैठे हुए वर्तमान क्षण में जीते हुए उसका आनंद ले रहे थे। जीवन को देखने के दो तरीके हैं। पहला यह कि किसी एक उद्देश्य की प्राप्ति के पश्चात मैं सुखी होऊंगा। दूसरा यह कि जो भी हो, मैं सुखी हूं। तुम इनमें से किस तरह से जीना चाहते हो। जीवन 80 प्रतिशत आनंद है और 20 प्रतिशत दुख, लेकिन हम उस 20 प्रतिशत को पकड़ कर बैठ जाते है और उसे 200 प्रतिशत बना लेते हैं। यह जानबूझ कर नहीं होता है, बस केवल हो जाता है। आनंद, सजगता, सतर्कता और दया के क्षणों में जीना दिव्यता की प्राप्ति है। बच्चे की तरह रहना दिव्यता है। यह अपने अंदर से मुक्त होना तथा प्रत्येक से बिना किसी संकोच के सहज रहना है। दूसरे तुम्हारे बारे में क्या सोचते हैं, इस बारे में मत सोचो और इसके अनुसार निर्णय मत करो। वे जो कुछ भी सोचते हैं, वह स्थायी नहीं है। दूसरे व्यक्तियों तथा वस्तुओं के बारे में तुम्हारी खुद की राय हर समय बदलती रहती है तो फिर दूसरे तुम्हारे बारे में क्या सोचते हैं, इसके लिए चिंता करने की क्या आवश्यकता है। चिंता करने से शरीर, मन, बुद्धि और सजगता पर बहुत बुरा प्रभाव पड़ता है। यह वह बाधा है, जो हमको अपने-आप से बहुत दूर ले जाती है। यह हमारे अंदर भय पैदा करती है। भय प्रेम की कमी के अलावा कुछ नहीं है, यह अलगाव की तीव्र चेतना है। श्वसन क्रियाओं द्वारा विश्राम से इन्हें नियंत्रित किया जा सकता है। तब तुम्हें इस बात का अनुभव होगा कि मैं सबका प्यारा हूं, मैं हर व्यक्ति के समान हूं और संपूर्ण ब्रह्मांड का एक अंश हूं।

यह तुम्हें मुक्त कर देगा और तुम्हारा मन पूर्ण रूप से बदल जाएगा। तब तुम्हें अपने चारों तरफ अत्यधिक एकरूपता मिलेगी। एकरूपता पाने के लिए कई वर्षों तक कहीं बैठकर साधना नहीं करनी पड़ती। जब भी तुम प्रेम में हो और आनंद का अनुभव करते हो, तो तुम्हारा मन वर्तमान में होता है। किसी स्तर पर, किसी मात्रा में प्रत्येक व्यक्ति अनजाने में ध्यान करता है। ऐसे क्षण होते हैं, जब तुम्हारे शरीर, मन और श्वास में एकरूपता होती है, तब तुम योग को प्राप्त करते हो।

योगी अद्वैत योगभूषण भारत में 13,000 किलोमीटर की पवित्र यात्रा पर निकले

आध्यात्मिकता-सामुदायिक जुड़ाव के लक्ष्य के साथ प्रतिष्ठित योगी आचार्य अद्वैत योगभूषण ने एक तीर्थयात्रा की शुरूआत की है। इस तीर्थयात्रा का उद्देश्य देश भर के समुदायों में योग और समग्र कल्याण के शाश्वत ज्ञान को बांटते हुए अपनी आध्यात्मिक यात्रा को और ज्यादा समृद्ध करना है। उन्होंने पूरे भारत में 13,000 किलोमीटर की असाधारण अद्वैत यात्रा शुरूआत की है। इस यात्रा का उद्देश्य उनके सामने आने वाली हर आत्मा में ॐ (ओम) की पवित्र ध्वनि को जागृत करना है। योगी आचार्य अद्वैत का जन्म एक पूर्व सेना अधिकारी के घर पर हुआ था। अपने जीवन के शुरूआती दिनों में ही पिता का साया सिर से उठने के बाद उनकी माँ ने अकेले उनका पालन - पोषण किया। बचपन में आचार्य जी को बहुत परेशानियों का सामना करना पड़ा। एक गंभीर दुर्घटना में चोट लगने के बाद वह अध्यात्म की ओर आकृष्ट हुए। शारीरिक चोट की वजह से उनकी साधना के प्रति प्रतिबद्धता और गहरी हो गई।

अद्वैत यात्रा 3 सितंबर 2024 को ऋषिकेश के वीरभद्र मंदिर से शुरू हुई और यह यात्रा मध्य प्रदेश में महाकालेश्वर और ओंकारेश्वर से शुरू होकर योगी अद्वैत को 12 ज्योतिर्लिंगों तक जाएगी। इसके बाद वह गुजरात में दारुकावने नागेश्वर और सोमनाथ जाएंगे। इसके बाद वह महाराष्ट्र में घुश्मेश्वर, त्र्यंबकेश्वर और भीमाशंकर का दौरा करेंगे।

उनकी यात्रा तमिलनाडु के रामेश्वरम, आंध्र प्रदेश के मल्लिकार्जुन तक जाएगी और झारखंड के बैद्यनाथ, उत्तर प्रदेश के काशी विश्वनाथ और हिमालय में राजसी केदारनाथ पर समाप्त होगी। योगी अद्वैत योग भूषण जी की 12 ज्योतिर्लिंग यात्रा एक आध्यात्मिक यात्रा है जो ऋषिकेश के वीरभद्र मंदिर से शुरू होती है, जिसमें पूरे भारत के महत्वपूर्ण ज्योतिर्लिंगों का दर्शन किया जाता है। यह यात्रा पवित्र स्थलों और उनसे जुड़ी समृद्ध आध्यात्मिक परंपराओं के साथ गहरे संबंध को दर्शाती है।

योगी अद्वैत अपनी पवित्र तीर्थयात्रा पर पूरे भारत में घूमते हुए मंदिरों, स्कूलों और गांवों का दौरा कर रहे हैं, और ओंकार का संदेश तथा अद्वैत के महत्व का प्रचार कर रहे हैं। उन्हें बच्चों को पढ़ाने, स्कूलों में जाकर उन्हें योग की शक्ति, माइंडफुलनेस और प्रकृति से जुड़ाव से परिचित कराने का विशेष शौक है। मंदिरों में उनके सत्रों में बहुत बड़ी भीड़ उमड़ती है। इन सत्रों में वह क्षमा, निर्भयता के महत्व और हमारे मन में एक ही जीवन की घटनाओं को दोहराने से रोकने के लिए नकारात्मक ऊर्जा को छोड़ने की आवश्यकता के बारे में बात करते हैं ताकि आंतरिक अशांति से छुटकारा मिले।

इस पवित्र यात्रा में 12 ज्योतिर्लिंग का दर्शन किया

जायेगा। ये ज्योतिर्लिंग वे पूजनीय मंदिर है जहाँ भगवान शिव को प्रकाश के स्तंभ के रूप में प्रकट हुआ माना जाता है। योगी अद्वैत इन ज्योतिर्लिंग को मात्र पूजा करने का दिव्य स्थान नही मानते हैं बल्कि ये पवित्र स्थान उनके लिए ज्ञान और उच्च चेतना की ओर उनके मार्ग का प्रतिनिधित्व करते हैं। उनके साथ यात्रा करने वाले एक समर्पित शिष्य ने कहा, "अद्वैत दर्शन में एकजुट भारत के लिए योगी के दृष्टिकोण के अनुरूप यह यात्रा स्थानीय सरकारों को इस परिवर्तनकारी यात्रा में भाग लेने और लाभ उठाने का एक अनूठा अवसर प्रदान करती है।" हाल ही में एक नदी के किनारे के गाँव में रुकने के दौरान योगी अद्वैत ने राष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ियों और स्थानीय ग्रामीणों के लिए एक बरगद के पेड़ की छाया में एक योग सत्र का आयोजन किया। उनकी सरल लेकिन मूल्यवान जानकारी ने युवा और बूढ़े सभी लोगों को प्रेरित किया। योग के दौरान सभी आसन कर रहे थे और एक साथ मंत्रोच्चार कर रहे थे।

पदयात्रा के दौरान रास्ते में आध्यात्मिक शिविर भी आयोजित किया जा रहा है। इस शिविर में समाज के विभिन्न वर्गों- छात्रों और एथलीटों से लेकर शहरी निवासियों और ग्रामीणो तक पर भी ध्यान दिया जा रहा है। उनके सत्र में हिस्सा लेने वाले एक ग्रामीण ने कहा, योगी अद्वैत अपने साथ जो ऊर्जा लेकर आते है, वह कुछ ऐसी है जिसे हमने पहले कभी अनुभव नहीं किया है। अपनी शारीरिक चोटों के बावजूद वह शक्ति और शांति प्रदान करते है। वह हमें ॐ की ध्वनि से जुड़ने का महत्व समझाते है।

आचार्य अद्वैत योगभूषण इस तीर्थयात्रा के प्रभाव को बढ़ाने के लिए सरकारी अधिकारियों और यहां तक कि प्रधानमंत्री से भी संपर्क कर रहे हैं। उनका लक्ष्य लाखों लोगों को योग और आध्यात्मिकता के मूल्यों को अपनाने के लिए प्रेरित करना है, ताकि पूरे देश में एकता, शांति और समग्र कल्याण का संदेश फैल सके।

संकलन: ज्योति राठौर

राशिफल साप्ताहिक

03 से 09 नवंबर 2024

मेषः इस सप्ताह अपने निजी जीवन और करियर-कारोबार को लेकर कुछ बड़े फैसले लेने पड़ सकते हैं। सप्ताह की शुरूआत में कुछ बड़ी चुनौतियां आपके सामने आ सकती हैं, जिनका सामना आपको बड़ी सूझ-बूझ और शुभचिंतकों की सलाह लेते हुए करना होगा। इस दौरान छात्रों का मन पढ़ाई लिखाई से उचट सकता है।

वृषभः इस सप्ताह अपने समय-धन का प्रबंधन करने में कामयाब हो जाते हैं तो उन्हें मनचाही सफलता प्राप्त हो सकती है। इस सप्ताह यदि आप प्रयास करें तो अपने बुद्धिबल से जीवन में आने वाली सभी समस्याओं का समाधान खोजने में कामयाब हो सकते हैं। सप्ताह की शुरूआत में आपको आर्थिक क्षेत्र में सोच-समझकर निर्णय लेने की जरूरत रहेगी।

मिथुनः मिथुन राशि के जातकों की सेहत से जुड़ी कुछ दिक्कतों को नजरअंदाज कर दिया जाए तो यह पूरा सप्ताह आपके लिए गुडलक लेकर आया है। इस सप्ताह आपको करियर-कारोबार में तरक्की करने के बड़े अवसर प्राप्त हो सकते हैं। सप्ताह की शुरूआत में इस सिलसिले में लंबी या छोटी दूरी की यात्रा संभव है।

कर्कः यह सप्ताह शुभता और सौभाग्य को लिए है। इस सप्ताह आपके सोचे हुए काम समय पर पूरे होंगे। जिससे आपके भीतर एक अलग ही उत्साह और ऊर्जा बनी रहेगी। सप्ताह की शुरूआत में ही कोई बड़ी शुभ सूचना मिलने से आपका मन प्रसन्न रहेगा।

सिंहः यह सप्ताह शुभता और सौभाग्य को लिए है। इस सप्ताह की शुरूआत में आपको करियर-कारोबार से जुड़ी कोई बड़ा अवसर प्राप्त हो सकता है। इस सप्ताह आपको भाग्य और कर्म का सहयोग मिलने से मनचाही सफलता प्राप्त होगी। आप अपने मित्र और शुभचिंतकों की मदद से अपने सपनों को साकार करने में कामयाब होंगे।

कन्याः इस सप्ताह अपने समय और ऊर्जा का प्रबंधन करने में कामयाब हो जाते हैं तो उन्हें मनचाही सफलता प्राप्त हो सकती है अन्यथा उन्हें इसके लिए थोड़ा इंतजार करना पड़ सकता है। सप्ताह की शुरूआत में आपको आलस्य से बचने की जरूरत रहेगी। यह समय सेहत की दृष्टि से भी आपके लिए प्रतिकूल कहा जा सकता है।

तुलाः इस सप्ताह जीवन में मिलने वाले अवसरों का पूरा लाभ उठाना चाहिए। इस पूरे सप्ताह आपका गुडलक आपके साथ बना रहेगा। आपके करियर-कारोबार में आ रही सभी बाधाएं इस सप्ताह आपके शुभचिंतकों और इष्ट-मित्रों की मदद से दूर हो जाएंगी। कार्यक्षेत्र में योजनाबद्ध तरीके से काम करने पर आपको अपेक्षित सफलता मिलेगी।

वृश्चिकः यह सप्ताह मिलाजुला साबित होगा। सप्ताह की शुरूआत में बनते कामों में बाधा आने से मन थोड़ा खिन्न रहेगा। इस दौरान अपना काम किसी के भरोसे न छोड़ें और न ही अपनी योजनाओं के पूरा होने से पहले किसी को बताएं। इस दौरान कायक्षेत्र में खूब सावधान रहें क्योंकि आपके विरोधी सक्रिय रह सकते हैं।

धनुः इस सप्ताह अपने समय और संबंधों का विशेष ख्याल रखना होगा। यदि इस सप्ताह आलस्य और चीजों को कल पर टालने की प्रवृत्ति से खुद को बचाने में कामयाब हो जाते हैं तो आपको अपेक्षा से अधिक बड़ी सफलता प्राप्त हो सकती है अन्यथा आपको हाथ आए अवसर को खोना पड़ सकता है।

मकरः इस सप्ताह अपने काम खूब सोच-समझकर करना चाहिए। इस सप्ताह आप उन लोगों से उचित दूरी बनाए रखें जो आपकी पीठ पीछे आपका नुकसान करने की सोचते रहते हैं। कार्यक्षेत्र में किसी भी महत्वपूर्ण काम में लापरवाही न करें अन्यथा आपको अपने बॉस के गुस्से का शिकार होना पड़ सकता है।

कुंभः इस सप्ताह अपने करियर और कारोबार को आगे बढ़ाने के अच्छे अवसर प्राप्त हो सकते हैं। इस सप्ताह आपको अपने इष्ट-मित्रों और शुभचिंतकों का पूरा सहयोग और समर्थन मिलेगा। सप्ताह की शुरूआत में ही आपको व्यवसाय आदि के लिए लंबी या छोटी दूरी की यात्रा करनी पड़ सकती है। यात्रा सुखद एवं लाभप्रद साबित होगी।

मीनः इस सप्ताह अनचाहे खर्चों का सामना करना पड़ सकता है। सप्ताह की शुरूआत में आपको भूमि-भवन से जुड़े विवाद के चलते कोर्ट-कचहरी के चक्कर लगाने पड़ सकते हैं। इस दौरान आपकी सेहत भी आपकी चिंता का बड़ा विषय बन सकती है।

मानव मंदिर मिशन ट्रस्ट ने पाकिस्तान से आए शरणार्थियों को रोजगार के साधन प्रदान किए

मानव मंदिर मिशन ट्रस्ट ने एक कार्यक्रम में पाकिस्तान से आए शरणार्थियों के पुनर्वास कार्यक्रम के अंतर्गत साइकिल गाड़ियां (रेहड़ी) वितरित करके 57 परिवारों को रोजगार के साधन के रूप में साइकिल गाड़ियां (रेहड़ी) हाथ ठेलों (रेहड़ी) के साथ योग्य सामग्री (सब्जी, फल, घरेलू सामान, वेल्डिंग आदि) का वितरण किया। रोजगार वितरण का यह कार्यक्रम जैन समाज के धर्मगुरु आचार्य स्वरूप चंद्र जी महाराज, पूर्वी दिल्ली के सांसद मनोज तिवारी, मानव मंदिर ट्रस्ट के ट्रस्टी डॉक्टर शंकर गोयनका, आई आई एफसीएल के सीएसआर प्रमुख डॉक्टर गर्ग और नेशनल फर्टिलाइजर के महाप्रबंधक संजीव रनदेवा द्वारा किया गया।

सभी उपस्थित लोगों ने वितरण के तरीके और वास्तविक इरादे की सराहना की। गाड़ियाँ पूरी तरह सुसज्जित थीं, और कई लोगों ने कार्यक्रम के तुरंत बाद और कार्यक्रम स्थल पर ही उत्पादों को बेचना शुरू कर दिया। नारियल पानी की बिक्री बहुत अच्छी रही।

इसके पहले भी, समाजसेवी संस्थाओं के सहयोग से मानव मंदिर मिशन ट्रस्ट द्वारा लगभग 100 शरणार्थी परिवारों को इसी तरह के रोजगार के साधन उपलब्ध कराए गए हैं। निकट भविष्य में 57 अन्य परिवारों के एक समूह को इसी तरह आत्मनिर्भर बनाने का कार्यक्रम है। ट्रस्ट की प्रमुख साध्वी कनक लता ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बताया कि मिशन ट्रस्ट पिछले 40 वर्षों से शरणार्थियों के परिवारों के बच्चों को शिक्षा उपलब्ध कराने के कार्य में निरंतर कार्यरत है। मिशन दिल्ली के अलावा पंजाब, उत्तराखंड, और राजस्थान में विभिन्न केंद्रों के माध्यम से 1450 बच्चों को पढ़ाकर उन्हें शिक्षित करने में सफल रहा है। इनमें से अनेक बच्चे कॉलेजों में पढ़ रहे हैं और कई बच्चे अच्छी कंपनियों में नौकरी कर रहे हैं।

साध्वी कनक लता ने जानकारी दी कि मिशन का यह प्रयास रहा है कि रोजगार के साधन देने से पहले शरणार्थियों से चर्चा कर उनकी रुचि और रुझान के अनुसार उन्हें सब्जी, फल, खाद्य सामग्री, वेल्डिंग, सिलाई आदि के साधन आवश्यक सामग्री और साधनों के साथ उपलब्ध कराए जाएं ताकि पहले दिन से ही उन्हें परिवार के लिए आय के साधन उपलब्ध हो सकें। दिल्ली में मिशन के दो केंद्र, मजनूं का टीला और सिग्नेचर ब्रिज, सेवारत हैं।

इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद मनोज तिवारी ने जरूरतमंद शरणार्थियों के परिवारों को रोजगार के साधन उपलब्ध कराने के अभियान की सराहना की और कहा कि मानव मंदिर ट्रस्ट मिशन सरकार के विस्तारित अंग के मानव धर्म के अनुरूप समाज सेवा के क्षेत्र में बहुत अच्छे कार्यों के माध्यम से सरकार का ही कार्य कर रहा है। इंडिया इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंशियल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आई आई एफसीएल) के सीएसआर प्रमुख दो सिन्हा और नेशनल फर्टिलाइजर के जनरल मैनेजर (मानव संसाधन एवं मार्केटिंग) संजीव रनदेवा ने समाजसेवा के इस कार्यक्रम की सराहना की और आश्वासन दिया कि उनका संस्थान इस तरह के कार्यक्रमों से निश्चित रूप से जुड़ना चाहेगा. वितरण समारोह में कॉर्पोरेट जगत, गैर सरकारी संगठनों और अन्य संगठनों के प्रतिनिधियों की पूरी श्रृंखला उपस्थित थी।

मानव मंदिर मिशन के ट्रस्टी डॉक्टर शंकर गोयनका ने इस महती कार्य में समाजसेवी संस्थाओं के सहयोग की सराहना करते हुए बताया कि रेहड़ी के लिए रिक्स, साइकिल और अन्य सहायक साधन किश इस कार्यक्रम में राजधानी के अनेक समाजसेवी सुदेश पाल, बलबीर, शैरी राजेश गुप्ता, कुंदन, आर.एल. गर्ग, सुभाष तिवारी, शरण अग्रवाल, सुश्री सरोज गोयल, सुश्री दिव्या जैन, जितिन जी सहित कई सामाजिक कार्यकर्ताओं और समुदाय के सदस्यों ने भाग लिया। राजीव नागपाल, दिवित सैनी और दिविता सैनी, रमेश चंद सुराणा और सुश्री अरुणा सुराणा, संजय जैन। ये सभी शरणार्थी परिवारों के उत्थान और उन्हें सशक्त बनाने के ट्रस्ट के मिशन का समर्थन करते हैं।

दिवाली के अगले बड़ा झटका 62 रुपये महंगा हुआ गैस सिलेंडर

दिवाली के बाद अब आम लोगों को महंगाई वाला बड़ा झटका लगा है। दिवाली के खत्म होते ही महंगाई की आग भड़क उठी है। लक्ष्मी-गणेश पूजा के अगले ही दिन यानी 1 नवंबर को एलपीजी गैस सिलेंडर के दाम बढ़ गए हैं। इससे न सिर्फ गृहणियों का बजट चरमरा जाएगा, बल्कि जेब पर भी असर पड़ेगा। जी हां, एलपीजी सिलेंडर के दाम में बड़ी बढ़ोतरी हुई है। 19 केजी वाला कॉमर्शियल एलपीजी सिलेंडर 62 रुपए महंगा हो गया है।

दरअसल, दिवाली पर आम लोगों को झटका देते हुए 1 नवंबर 2024 को ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने 19 किलोग्राम वाले कॉमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम 62 रुपये तक बढ़ा दिये हैं। हालांकि, राहत की बात है कि ऑयल कंपनियों ने 14.2 किलो वाले घरेलू सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है। कमर्शियल गैस सिलेंडर के बढ़े दाम 1 नवंबर 2024 से लागू हो गए।

नवंबर महीने का पहला दिन है। हर महीने की पहली तारीख को LPG सिलेंडर की कीमतें तय होती हैं। ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने 19 किलो वाले कॉमर्शियल सिलेंडर के दाम 62 रुपये तक बढ़ा दिये हैं। कॉमर्शियल सिलेंडर के दाम बढ़ने से मार्केट में मिलने वाली चीजें महंगी हो जाएंगी। तो चलिए जानते हैं नए रेट में कहां अब कॉमर्शियल सिलेंडर का दाम कितना हो गया।

दिल्ली में सिलेंडर का दाम- 1740 रुपये से बढ़कर 1802 रुपये

कोलकाता में सिलेंडर का दाम - 1850.50 रुपये से बढ़ाकर 1911.50 रुपये

मुंबई में सिलेंडर का दाम -1692.50 रुपये से बढ़ाकर 1754 रुपये

चेन्नई में सिलेंडर का दाम - 1903 रुपये से बढ़ाकर 1964 रुपये

14 किलोग्राम वाले सिलेंडर में कोई इजाफा नहीं

राहत की बात थोड़ी यह है कि घर में यूज होने वाले 14.2 किलोग्राम वाले घरेलू गैस सिलेंडर का दाम नहीं बढ़ा है। 1 नवंबर को भी यह घरेलू गैस सिलेंडर अगस्त 2023 के रेट्स पर ही उपलब्ध है। सरकार ने अगस्त 2023 में घरेलू गैस सिलेंडर के दाम में लगभग 100 की कटौती की थी। उसके बाद से इसके दाम में कोई इजाफा नहीं किया गया है।

पारंपरिक प्रश्न पत्रों में बदलाव: कैसे टेक्नोलॉजी शिक्षा संस्थाओं की कर रही है मदद

मनीष मोहता
लर्निंग स्पाइरल के फाउंडर

आज की तेजी से बदलती दुनिया में, शिक्षा क्षेत्र में बड़े बदलाव हो रहे हैं, जिसमें तकनीकी प्रगति प्रमुख कारण है। इन बदलावों में सबसे महत्वपूर्ण यह है कि पारंपरिक प्रश्नपत्र बनाने की प्रक्रिया में अब बदलाव आ रहा है। दशकों से प्रश्न पत्र छात्रों के ज्ञान का विश्लेषण करने का महत्वपूर्ण साधन रहे हैं, लेकिन शिक्षकों और संस्थानों को इन्हें बनाने की मैन्युअल प्रक्रिया में हमेशा से मुश्किल होती रही है। लेकिन आज तकनीक, खासकर आर्टिफीसियल इंटेलिजेंस (अक), इस प्रक्रिया को अधिक कुशल, गतिशील और आधुनिक शिक्षा प्रणाली की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए बदल रही है।

टेक्नोलॉजी शिक्षा संस्थाओं को सवाल-जवाब वाले पुराने दृष्टिकोण से बाहर निकालने में मदद कर रही है। पहले, प्रश्न पत्र शिक्षक या परीक्षा बोर्ड द्वारा मैन्युअल रूप से बनाए जाते थे, जो अक्सर पूर्वोत्तर प्रश्न पत्रों और निर्धारित पाठ्यक्रम पर आधारित होते थे। यह विधि उस समय प्रभावी थी, लेकिन इसमें कई सीमाएँ हैं। यह बहुत समय लेने वाला काम है, मानवीय गलती होने की संभावना रहती है और प्रश्नों में प्रकार की कमी है। शिक्षक को यह सुनिश्चित करना कठिन लगता है कि सभी कौशल की परीक्षा हो रही है या नहीं? साथ ही, इसमें रटने (रटकर याद करने) पर अधिक जोर दिया गया था, क्योंकि विद्यार्थी पुराने पैटर्न के आधार पर प्रश्नों का अनुमान लगाते हैं। लेकिन टेक्नोलॉजी के एकीकरण से ये सीमाएँ दूर हो रही हैं और परीक्षाओं का एक नया दृष्टिकोण सामने आ रहा है।

यह बदलाव आर्टिफीसियल इंटेलिजेंस (अक) से हुआ है। अब विशाल डेटाबेस से सवाल उठाने वाले प्रश्न पत्र वास्तविक समय में अक-चालित सिस्टम बना रहे हैं। ये सिस्टम विविध और अप्रत्याशित प्रश्न बनाते हैं, जिससे विद्यार्थी कई विषयों और कौशलों पर अभ्यास कर सकें। अक यह भी मदद करता है कि शिक्षक जानबूझकर या अनजाने में कुछ विशिष्ट विषयों या सवालों का पक्ष नहीं लेते। अक प्रश्नों को विद्यार्थियों के प्रदर्शन स्तर के अनुसार ढाल सकता है, इससे विद्यार्थियों को चुनौतीपूर्ण परीक्षाएं दी जा सकती हैं जो उनकी क्षमता के

अनुरूप हैं। टेक्नोलॉजी प्रश्नों को तैयार करने और प्रस्तुत करने में भी मदद मिलती है। अक की मदद से प्रश्न पत्रों को श्रवण, दृश्य या स्पर्शात्मक (हाथों से सीखने वाले) छात्रों के लिए बनाया जा सकता है। उदाहरण के लिए, दृश्य सीखने वाले विद्यार्थियों को ग्राफ या छवि आधारित प्रश्न दिए जा सकते हैं, जबकि तार्किक सोच में निपुण विद्यार्थियों को अधिक अमूर्त या समस्या समाधान वाले प्रश्न दिए जा सकते हैं। यह बदलाव, जिसमें मानक परीक्षाओं से व्यक्तिगत अभ्यास की ओर रुझान है, एक समावेशी शिक्षण वातावरण बना रहा है, जहां सभी विद्यार्थियों को उनकी विशिष्ट क्षमताओं और सीखने की प्राथमिकताओं के आधार पर मूल्यांकन किया जाता है।

शिक्षा संस्थानों में प्रश्नपत्र बनाने की स्वचालित प्रक्रिया ने समय और संसाधनों को भी प्रभावित किया है। अब अक-चालित सिस्टम प्रश्न पत्रों को मिनटों में तैयार करते हैं, जिससे शिक्षकों को अन्य महत्वपूर्ण शिक्षण कार्यों पर अधिक समय मिलता है. पहले प्रश्न पत्र बनाने में हफ्तों लग जाते थे। अब निरंतर मूल्यांकन का मॉडल बनाया जा रहा है, जो केवल मध्यावधि या साल के अंत की परीक्षाओं पर निर्भर नहीं है, जिससे इस प्रशासनिक बोझ में कमी से अधिक बार अस्सेस्मेंट भी संभव हो सकते हैं। निरंतर मूल्यांकन न केवल सीखने को बेहतर बनाता है, बल्कि छात्रों पर दबाव कम करता है क्योंकि यह नियमित, प्रतिक्रिया और सुधार पर ध्यान केंद्रित करता है और उच्च दांव वाली परीक्षाओं से बचाता है

साथ ही, ग्रेडिंग (अंक देने) की प्रक्रिया, जो पहले पारंपरिक तरीकों में देरी और गलतियों की संभावना थी, को आईटी ने क्रांतिकारी रूप से बदल दी है। अक-संचालित ग्रेडिंग सिस्टम परीक्षा स्क्रिप्ट को स्वचालित रूप से जांचते हैं, जिससे मानवीय गलतियाँ कम होती हैं और अंक एकरूप होते हैं। ये सिस्टम को बहुविकल्पीय सवालों से लेकर छोटे जवाबों और निबंधों तक का विश्लेषण कर सकते हैं, जिसमें वाक्य संरचना, तर्क और संपूर्णता का विश्लेषण करने वाले नेचुरल लैंग्वेज अल्गोरिदम का उपयोग किया गया है। यह तकनीक सुनिश्चित करती है कि छात्रों का मूल्यांकन अधिक पारदर्शी और निष्पक्ष होगा, बिना किसी मानवीय पूर्वाग्रह के। एक अतिरिक्त लाभ यह है कि विद्यार्थी अपने परिणामों को तुरंत देख सकते हैं, जिससे वे वास्तविक समय में अपनी कमजोरियों को पहचान सकते हैं और सुधार कर सकते हैं।

अक और तकनीक केवल प्रश्नोत्तर और अंक देने तक सीमित नहीं हैं। अब स्कूलों में अक-चालित अनुकूली शिक्षण प्लेटफार्म लोकप्रिय हो रहे हैं। ये प्लेटफार्म वास्तविक समय में विद्यार्थियों की क्षमता और कमजोरियों का मूल्यांकन करते हैं और सामग्री को उनके अनुसार समायोजित करते हैं, जिससे व्यक्तिगत शिक्षण का अनुभव मिलता है। नतीजतन, पारंपरिक शिक्षण मॉडल, जो पहले सिर्फ एक पाठ्यक्रम का पालन करता था, अब अधिक गतिशील और विद्यार्थी-केंद्रित हो गया है। ये प्लेटफार्म भी छात्रों को विभिन्न विषयों, संसाधनों या अभ्यासों की सिफारिश कर सकते हैं, जिससे सीखना अधिक रोचक और प्रभावी हो रहा है।

शिक्षा क्षेत्र में टेक्नोलॉजी और आर्टिफीसियल इंटेलिजेन्स का एकीकरण यह बदल रहा है कि प्रश्न पत्र कैसे बनाए और संचालित किए जाते हैं। यह पारंपरिक प्रक्रियाओं को स्वचालित करने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह इस बारे में नए सिरे से सोचने का मौका दे रहा है कि छात्रों का आकलन कैसे किया जाए? ताकि उन्हें सार्थक तरीके से चुनौती दी जा सके। जैसे-जैसे आर्टिफीसियल इंटेलिजेन्स अक का विकास जारी है, शिक्षा क्षेत्र एक क्रांति के मुहाने पर खड़ा है, जहां प्रश्न पत्रों की पारंपरिक सीमाओं को पार करते हुए एक अधिक प्रगति, कुशल और न्यायसंगत शिक्षण और मूल्यांकन प्रणाली का निर्माण हो रहा है।

चंद दिनों में अंदर धंस जाएगी बाहर निकली हुई तोंद

बस रोजाना पीना शुरू कर दें इन 3 चीजों का जूस

खान-पान की खराब आदतों और अनेहल्दी लाइफस्टाइल के कारण पेट की चर्बी तेजी से बढ़ती है। बढ़ता हुआ पेट न केवल देखने में बुरा लगता है बल्कि कई गंभीर बीमारियों का कारण भी बन सकता है। ऐसे में, अगर आप भी अपने बढ़े हुए पेट को कम करना चाहते हैं, तो हल्दी डाइट और एक्सरसाइज के साथ-साथ कुछ खास जूस भी पीना शुरू कर सकते हैं। ये जूस न केवल वजन कम करने में आपकी मदद करेंगे बल्कि आपके सेहत के लिए भी कई तरह से फायदेमंद साबित होंगे। पेट की चर्बी कम करने के लिए जूस काफी असरदार होते हैं।

बेली फैट कम करेंगे ये 3 जूस

लौकी का जूस

लौकी, जिसे घिया या कद्दू के नाम से भी जाना जाता है, वजन घटाने के लिए एक बेहद असरदार सब्जी है। इसमें फाइबर, प्रोटीन और एंटीऑक्सीडेंट्स की भरपूर मात्रा पाई जाती है जो वजन घटाने में मददगार होते हैं। यह न सिर्फ वजन कम करने में मदद करती है बल्कि हमारे ओवरऑल हेल्थ के लिए भी बेहद फायदेमंद होती है। सुबह खाली पेट लौकी का जूस पीने से ब्लड सकुर्लेशन बेहतर होता है और पेट की चर्बी कम करने में भी मदद मिलती है। इसलिए, अक्सर पेट की चर्बी कम करने के लिए लौकी के जूस का सेवन करने की सलाह दी जाती है।

खीरे का जूस

खीरा का जूस भी अच्छी सेहत का खजाना है। इसमें सोडियम बिल्कुल नहीं

होता और यह नेचुरल तरीके से शरीर में मौजूद टॉक्सिन्स और एक्स्ट्रा फैट को बाहर निकालने में मदद करता है। यह ब्लोटिंग से भी राहत दिलाता है। रोजाना सुबह खाली पेट खीरे का जूस पीने से वजन कम करने में काफी फायदा होता है। इसे बनाने के लिए खीरे के साथ नींबू, काला नमक, काली मिर्च और पुदीना मिलाकर ब्लेंड करें। बता दें, यह पेट की समस्याओं को कम करता है और पाचन क्रिया को बेहतर बनाता है।

करेले का जूस

बेली फैट को तेजी से कम करना चाहते हैं तो करेले का जूस भी काफी फायदेमंद साबित हो सकता है। इसमें आयरन, मैग्नीशियम, पोटैशियम और विटमिन सी

जैसे कई जरूरी पोषक तत्व मौजूद होते हैं। करेले का जूस इंसुलिन को एक्टिव करता है जिससे शरीर में बनने वाला ब्लड शुगर फैट में नहीं बदल पाता और वजन कम करने और मोटापे पर काबू पाने में काफी मदद मिलती है। आयुर्वेद में इसे डायबिटीज या ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करने के लिए एक बेहतरीन सब्जी माना जाता है। इसके अलावा, करेला फाइबर का भी एक अच्छा स्रोत है जो वजन घटाने में मदद करता है।

आंखों में धुंधला दिखाई दे तो तुरंत कराए जांच

इसे नजरअंदाज करने की ना करें भूल...

आंखों के एक्सपर्ट का कहना है कि अगर किसी को देखने में परेशानी आती है, आंखों से कम दिखता है। धुंधला दिखाई देता है या फिर आंखों में रेखाएं नजर आती हैं तो तुरंत आंखों की जांच करानी चाहिए। अगर किसी को लंबे समय तक आंखों में कुछ परेशानी होती है तो वह गंभीर बीमारी का संकेत हो सकता है। अगर आपकी आंख में नीचे बताए कुछ संकेत नजर आते हैं तो तुरंत डॉक्टर से मिलें। एक्सपर्ट का कहना है कि अगर किसी के कॉर्निया पर सफेद धब्बे दिखते हैं तो उसे एक चेतावनी संकेत मानना चाहिए।

कार्निया पर सफेद धब्बे दिखते हैं तो यह कॉर्नियल संक्रमण का संकेत हो सकता है। इससे आंखों को धीरे-धीरे करके नुकसान हो सकता है इसलिए तुरंत किसी आंखों के डॉक्टर को दिखाएं। शराब, कैफीन या निकोटीन का अधिक सेवन करने से आंख फड़कना आम बात है लेकिन अगर सामान्य दिनों में भी अगर किसी की आंख बार-बार फड़कती है तो यह बर्नआउट का एक प्रारंभिक संकेत हो सकता है। बर्नआउट, शारीरिक थकावट को कहते हैं।अगर आपकी आंख लगातार फड़क रही है तो इसका मतलब है कि शारीरिक मेहनत और तनाव कम करने की जरूरत है।अगर जागने के बाद आपकी आंख सूजी हुई और लाल दिख रही हैं तो यह एलर्जी, संक्रमण या अत्यधिक थकान का कारण हो सकती है। फूली और लाल आंख से समझ जाना चाहिए कि आपको आराम की जरूरत है। धुंधली दृष्टि सिर्फ कम दिखने का नहीं बल्कि डायबिटीज और मोतियाबिंद का भी संकेत हो सकती हैं। हाई ब्लड शुगर से रेटिना की ब्लड वेसिल्स को नुकसान हो सकता है। ऐसे में डैमेज हुई ब्लड वेसिल्स में सूजन आ जाती है, उनमें से खून आने लगता है या उनसे लिक्विड निकलने लगता है। इस कारण स्पष्ट देखने में मुश्किल होने लगती है। धुंधलापन एक या दोनों आंखों में भी हो सकता है। जिन लोगों का ब्लड शुगर कंट्रोल में रहता है उन लोगों की दृष्टि साफ हो सकती है। वहीं मोतियाबिंद रोशनी को आंख में अंदर जाने से रोकता है इसलिए दृष्टि धुंधली हो सकती है। यदि किसी को अपनी आंख के सफेद हिस्से यानी कार्निया पर विशेष प्रकार के छल्ले दिखाई देते हैं तो वे हाई कोलेस्ट्रॉल का संकेत हो सकता है।

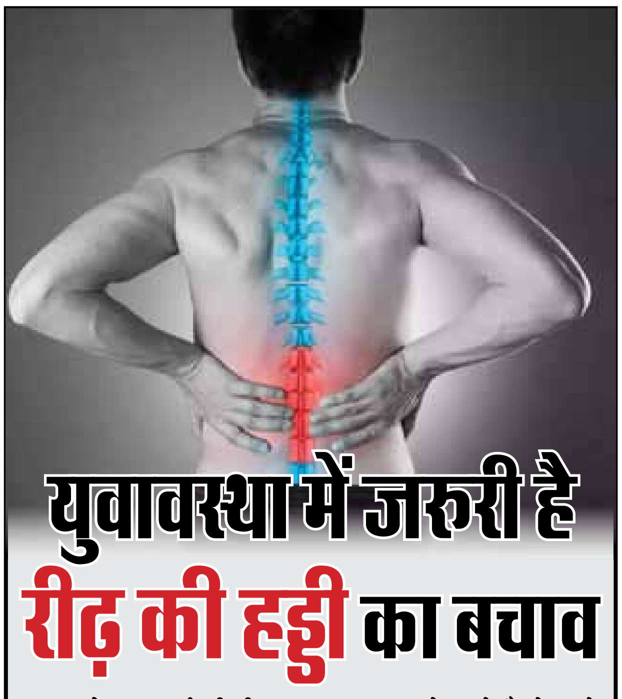

युवावस्था में जरूरी है रीढ़ की हड्डी का बचाव

जब से कम्प्यूटर्स, टी वी का चलन बढ़ा तबसे हमारे बैठने उठने के ढंग में बहुत बदलाव आया, इसके साथ नवयुवकों में लेपटॉप का चलन बढ़ने से भी एक स्थान में लम्बे समय तक बैठने से बहुत अधिक रीढ़ की हड्डी में तकलीफ बढ़ी हैं। वर्क फ्रॉम होम और आईटी. कंपनी में बैठने का काम होने से और शरीरीक श्रम का अभाव भी सहायक होता हैं। रीढ़ के साथ हड्डियों का मजबूत होना बहुत जरुरी हैं। एक बार हमारी हड्डी रोगग्रस्त होने पर जीवन भर परेशानी उठानी पड़ेगी।

30 साल के बाद रीढ़ की हड्डी कमजोर होनी शुरू हो जाती है। इसलिए आपको अपनी डआहार में रीढ़ की हड्डी को मजबूत बनाने वाले आहार को शामिल करना चाहिए। वरना कमजोर रीढ़ की हड्डी के लक्षणों का सामना करना पड़ सकता है।

शारीरिक ताकत और संतुलन के लिए हड्डियों का मजबूत होना जरूरी है। जब हड्डियां कमजोर होने लगती हैं, तो जिंदगी एक बुरे सपने जैसी हो जाती है। इन हड्डियों में रीढ़ की हड्डी सबसे पहले कमजोर होती है। जो कि 30 साल की उम्र से अपनी ताकत खोने लगती है।

कमजोर रीढ़ की हड्डी के लक्षण क्या हैं?

रीढ़ की हड्डी कमजोर होने से गर्दन में दर्द, कमर में दर्द, चलने-फिरने में परेशानी, कूल्हों में दर्द हो सकता है। वहीं, आपके हाथ, पैर या तलवे सुन्न भी हो सकते हैं। इसलिए 30 से पहले अपनी आहार में इन फूड्स पोषक तत्वों को जरूर शामिल करें।

पौधों से मिलने वाला प्रोटीन-

रीढ़ की हड्डी मजबूत बनाने के लिए पौधों से मिलने वाला प्रोटीन बहुत फायदेमंद है। यह नॉन-वेज फूड से मिलने वाले प्रोटीन से ज्यादा फायदेमंद होता है। इसके लिए आप चिया सीड्स, दालें और बीन्स का सेवन करें।

सब्जियां-

सब्जियां खाना आपकी पूरी सेहत के लिए फायदेमंद होता है। लेकिन यह कमर के लिए खासतौर से फायदेमंद होती है। कुछ हरी सब्जियां कमर की समस्याओं को बढ़ने नहीं देती हैं। इन सब्जियों में पालक, ब्रॉकली, केल आदि शामिल हैं, जो स्पाइन की संक्रमण को रोकती हैं।

डेयरी उत्पाद-

30 के बाद रीढ़ की हड्डियों के लिए कैल्शियम बहुत जरूरी है। कैल्शियम पाने का बेहतरीन सोर्स डेयरी उत्पाद हैं। आप चीज, दूध और दही खाकर पर्याप्त कैल्शियम पा सकते हैं। हालांकि, इसका अत्यधिक सेवन करने से बचें। ऐसा करने से आपकी रीढ़ की हड्डी मजबूत बन जाएगी।

जड़ी-बूटी-

30 साल के बाद डाइट में कुछ जड़ी-बूटियों को जरूर शामिल करें। यह हड्डियों में होने वाली सूजन से बचाव करेंगे। इसके लिए आप हर्बल टी का सेवन कर सकते हैं और खाने में हल्दी, दालचीनी, अदरक, तुलसी आदि को भी डाल सकते हैं।

गहरे रंग वाले फल-

रीढ़ की हड्डियों को मजबूत बनाने के लिए ताजे फल का सेवन फायदेमंद होता है। लेकिन गहरे रंगों वाले फलों को ही चुनें। रीढ़ की हड्डी के लिए बेरीज काफी लाभदायक होती है। लेकिन डेयरी उत्पाद की तरह इसका अत्यधिक सेवन भी नुकसानदायक हो सकता है। इसलिए सीमित मात्रा में ही खाएं।

सुबह कुछ समय निकालकर तेल मालिश करे, थोड़ा व्यायाम करे, ध्यान, योग करे।

अश्वगंधा चूर्ण, शतावरी चूर्ण, च्यवनप्राश अवलेह, अश्वगंधारिष्ट लाभकारी होते हैं।

आईपीएल 2025: चार टीमों ने अपने कप्तान ही रिटेन नहीं किए

|| पुलकित चतुर्वेदी ||

आईपीएल रिटेंशन की प्रक्रिया पूरी हो गई और कुछ बड़े नाम ऐसे है जिन्हें रिटेन नहीं किया गया हैं, हैरान करने वाली बात यह है कि इसमें चार नाम ऐसे भी है जो पिछले सीजन टीम के कप्तान थे। इनमें तीन तो भारतीय खिलाड़ी हैं। अब इन सभी प्लेयर्स के ऊपर नीलामी के दौरान बंपर बोली लगने की उम्मीद है।

रिटेंशन में इस बार सभी टीमों को कुल 6 खिलाड़ी अपने पास रखने का विकल्प था। इसमें पांच खिलाड़ी कैप्ड और 1 अनकैप्ड हो सकते थे। इसके अलावा जिन टीमों ने 6 से कम खिलाड़ियों को रिटेन किया है वे अब मेगा ऑक्शन में आरटीएम के माध्यम से कुछ प्लेयर्स को अपने साथ जोड़ेंगे। वहीं बात करें इस बार सभी टीमों के पर्स की तो उनके पास 120 करोड़ रुपए थे। वहीं, रिटेंशन में एक टीम अधिकतम 75 करोड़ रुपए खर्च सकती थी।

आईपीएल 2025 को लेकर सभी टीमें तैयारियों में जुटी हुई है। दूसरी ओर, कुछ बड़े नाम वाले खिलाड़ी नीलामी में नई टीम की तलाश करेंगे। इनमें दिल्ली फ्रेंचाइजी के ऋषभ पंत शामिल हैं, जिन्हें चौंकाने वाले कदम के तहत रिलीज कर दिया गया है। साथ ही केएल राहुल, केकेआर के खिताब जीतने वाले कप्तान श्रेयस अय्यर और अर्शदीप सिंह के रूप में एक बेहतरीन भारतीय तेज गेंदबाज भी शामिल हैं।

वहीं, पिछले सीजन में आरसीबी के कप्तान रहे फाफ डु प्लेसिस को भी टीम ने रिटेन नहीं किया। इनके अलावा और भी कई बड़े नाम वाले विदेशी खिलाड़ी भी हैं, जिनमें जोस बटलर और ग्लेन मैक्सवेल शामिल हैं। ऋषभ पंत और दिल्ली कैपिटल्स के बीच मतभेद की खबर पहले भी कई बार आ चुकी थी, हालांकि उनकी टीम ने इस पर कोई बयान नहीं दिया लेकिन रिटेंशन लिस्ट सामने आने के बाद सब कुछ साफ हो गया। वहीं, केएल राहुल और लखनऊ का अलग होना भी लगभग तय माना जा रहा था लेकिन श्रेयस अय्यर को केकेआर का रिटेन नहीं करना सबसे ज्यादा हैरान करने वाला फैसला था। जबकि, आरसीबी भी बदलाव के मूड में पहले से नजर आ रही थी। अब मेगा ऑक्शन में देखना दिलचस्प होगा कि इन नामों पर कितने पैसे लगते हैं।

दिल्ली प्रीमियर लीग :
दिल्ली एफसी की संघर्षपूर्ण जीत

प्लेयर ऑफ द मैच सजल बाग के गोल से दिल्ली एफसी ने फ्रेंड्स यूनाइटेड को 2-1 से हरा कर डीएसए प्रीमियर लीग में पूरे अंक अर्जित किए। अम्बेककर स्टेडियम पर खेले गए उतार चढ़ाव वाले मैच में विजेता टीम के लिए थोंगखोंग नाओबा और सजल ने गोल जमाए। पराजित टीम का गोल अक्षय राज के नाम रहा।

इस मैच के नतीजे से डीएफसी के सात मैचों में 14 अंक हो गए है। पराजित फ्रेंड्स इतने ही मैचों में 7 अंक ही जुटा पाई है। हालांकि दोनों टीमों के अंकों में बड़ा अंतर है लेकिन परस्पर मुकाबले में डीएफसी को खासा संघर्ष करना पड़ा। विजेता टीम के युवा खिलाड़ियों ने कई मौके बेकार किए।

गढ़वाल हीरोज के विरुद्ध बेहद आक्रामक खेल का प्रदर्शन करने वाले डीएफसी के युवा खिलाड़ी आज अपना श्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर पाए वरना गोल अंतर खासा बड़ा हो सकता था।

फिलहाल गढ़वाल एफसी , सुदेवा, दिल्ली एफसी, रॉयल रेंजर्स और सीआईएसएफ अंक तालिका में आगे चल रहे हैं।

मध्य प्रदेश के स्थापना दिवस पर उज्जैन को खेल परिसर की सौगात

मध्यप्रदेश के 69वें स्थापना दिवस के मौके पर उज्जैन को खेल परिसर की सौगात मिली है। यह खेल परिसर लगभग साढ़े 11 करोड़ की लागत से बना है। उज्जैन में नव निर्मित बहुउद्देशीय इनडोर खेल परिसर के शुभारंभ कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने मध्य प्रदेश के 69वें स्थापना दिवस, दीपावली एवं गोवर्धन पूजा की शुभकामनाएं भी दी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने खेलों की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति की है। विभिन्न अंतरराष्ट्रीय खेलों में भारत के खिलाड़ियों ने मेडल जीते हैं। खिलाड़ियों की डाइट, ट्रेनिंग, शिक्षा एवं खेलों में वर्ल्ड क्लास इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास से नई खेल संस्कृति का उदय हुआ है। उन्होंने कहा कि खेलों से जीवन में परस्पर विश्वास,आत्मविश्वास और पुरुषार्थ जागृत होता है। प्रधानमंत्री मोदी की सरकार ने खेल को जीवन का हिस्सा बनाकर स्वस्थ भारत को लक्ष्य बनाया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्य प्रदेश ने नई शिक्षा नीति लागू कर स्पोर्ट्स को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया है। राज्य में अब स्पोर्ट्स टीचर्स व खिलाड़ियों के प्रशिक्षकों को भी शिक्षकों के समान मौका दिया जाएगा।

उन्होंने कहा की उज्जैन में जिम्नास्टिक, एथलेटिक, बास्केटबॉल, मलखंभ आदि खेलों का स्वर्णिम इतिहास रहा है। देश में आज मलखंभ खेल की बात आती है, तो उसमें उज्जैन का नाम सर्वप्रथम आता है। उज्जैन में मलखंभ और जिम्नास्टिक अकादमी भी संचालित की जा रही है। उक्त खेल परिसरों के साथ मुझे उम्मीद है कि इस खेल परिसर से मालवा क्षेत्र के युवा खिलाड़ी

अपने खेल कौशल का पूर्ण क्षमता के साथ सदुपयोग कर अंतर्राष्ट्रीय व राष्ट्रीय स्तर पर पदक अर्जित कर देश-प्रदेश का नाम रोशन करेंगें।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की सरकार के कार्यकाल में भारत ने ओलंपिक खेलों में हॉकी में लगातार मेडल जीते हैं। राज्य के हॉकी खिलाड़ी विकास भी पदक विजेता टीम का हिस्सा रहे हैं, उन्होंने इस उपलब्धि से प्रदेश को गौरवान्वित किया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि क्षीरसागर स्टेडियम को भी शीघ्र ही बहुउद्देशीय परिसर बनाया जाएगा। विक्रम विश्वविद्यालय के मैदान पर शीघ्र ही विश्वस्तरीय क्रिकेट स्टेडियम बनाया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव की खास दिलचस्पी के चलते जिले में बहुउद्देशीय खेल परिसर का लोकार्पण हुआ। जिले में खेल विभाग का यह दूसरा वृहद खेल परिसर हैं। विभाग का पहला खेल परिसर, महानंदा खेल परिसर है, जिसमें इनडोर-आउटडोर खेल की सुविधा व स्विमिंग पूल उपलब्ध है। नव निर्मित खेल परिसर में अंतर्राष्ट्रीय स्तर का एथलेटिक सिंथेटिक ट्रैक है तथा इसी परिसर में बहुउद्देशीय खेल परिसर है, जिसमें बैडमिंटन, टेबल टेनिस, मलखंभ एरिना, शूटिंग, फुटबॉल मैदान, लॉन टेनिस कोर्ट, खिलाड़ियों की सुविधा के लिए प्लेयर्स लॉबी आदि सुविधाओं के साथ अत्याधुनिक जिम की स्थापना की गई है। इसमें खिलाड़ियों के साथ साथ दर्शकों के बैठने की भी व्यवस्था है। राजमाता विजयराजे सिंधिया खेल परिसर लगभग 18 एकड़ भूमि में निर्मित है। इस खेल परिसर का निर्माण 11.43 करोड़ रुपये से हुआ है।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने खेल परिसर का लोकार्पण कर किया। उन्होंने परिसर का भ्रमण कर मलखंभ एरिना में मलखंभ खेल का प्रदर्शन भी देखा। उन्होंने परिसर के शूटिंग एरिना में शूटिंग का भी आनंद लिया। इसके पश्चात मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने टेबल टेनिस खिलाड़ी अनुज मिश्रा के साथ टेबल टेनिस खेला। फिर उन्होंने बैडमिंटन, टेबल टेनिस , एथलेटिक्स के खिलाड़ियों से चर्चा कर उनका हौसला बढ़ाया।

बाल भारती पब्लिक स्कूल की तैराकी टीम ने राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़े

|| मनीष कुमार चतुर्वेदी ||

बाल भारती पब्लिक स्कूल गंगाराम अस्पताल मार्ग, नई दिल्ली ने सीबीएसई राष्ट्रीय तैराकी मीट 2024 में भाग लिया। इसका आयोजन KIIT इंटरनेशनल स्कूल भुवनेश्वर द्वारा किया गया था और यह KIIT और KISS स्विमिंग पूल भुवनेश्वर, ओडिशा में आयोजित किया गया था। बाल भारती पब्लिक स्कूल की तैराकी टीम के कोच साहिल सूरी के साथ कुल 11 तैराकों ने इस मीट में भाग लिया। स्कूल टीम ने संयुक्त रूप से राष्ट्रीय चैम्पियनशिप में 15 स्वर्ण पदक, 1 रजत पदक जीता। कक्षा 9 की ऑसम ने 50 मीटर, 100 मीटर और 200 मीटर ब्रेस्ट स्ट्रोक में तीन नए राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़े और बनाए, उसने जो रिकॉर्ड तोड़े उनमें से कुछ एक दशक से भी ज्यादा पुराने थे। चैंपियनशिप में सभी तैराकों ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया।

कड़े मुकाबले में अल्काराज-सितसिपास पेरिस मास्टर्स के तीसरे दौर में

कार्लोस अल्काराज ने अपनी सर्विस पर कुछ विषम पलों से गुजरने के बाद चिली के निकोलस जेरी को 7-5, 6-1 से हराकर पेरिस मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट के तीसरे दौर में प्रवेश किया। स्पेन के दूसरी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी अल्काराज को जैरी के मजबूत फोरहैंड से कई बार परेशानी हुई। चिली के खिलाड़ी ने नौवें गेम में उनकी सर्विस तोड़कर स्कोर 5-5 से बराबर कर दिया। लेकिन जैरी ने अपने अगले सर्विस गेम में डबल फॉल्ट करके पहला सेट गंवा दिया।

अल्काराज ने मैच के बाद कहा,यह थोड़ा मुश्किल था। पहला सेट जीतकर वास्तव में खुशी हुई। मुझे कोर्ट की गति से सामंजस्य बिठाना होगा। यह मेरे लिए वास्तव में तेज है। चार बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन अल्काराज

साल के अपने पांचवें खिताब की तलाश में हैं। उनका अगला मुकाबला 15वीं वरीयता प्राप्त उगो हम्बर्ट या अमेरिकी क्वालीफायर मार्कोस गिरोन से होगा। यूनान के दसवीं वरीयता प्राप्त स्टेफानोस सितसिपास ने एलेजांद्रो ताबिलो को 6-3, 6-4 से हराकर साल के अंतिम टूर्नामेंट एटीपी फाइनल के लिए क्वालीफाई करने की अपनी उम्मीदों को जीवंत बनाए रखा।

एटीपी फाइनल में चोटी के आठ खिलाड़ी भाग लेते हैं। नॉर्वे के तीन बार के ग्रैंडस्लैम उपविजेता और सातवीं वरीयता प्राप्त कैस्पर रूड अच्छी शुरूआत का फायदा उठाने में नाकाम रहे और ऑस्ट्रेलिया के गैरवरीय जॉर्डन थॉम्पसन से 7-6 (3), 3-6, 6-4 से हार गए। रूस के छठी वरीयता प्राप्त एंड्री रुबलेव ने दोनों सेट के टाईब्रेकर तक खिंचने से अपना आपा खो दिया और आखिर में उन्हें हार का सामना करना पड़ा जिससे उनकी एटीपी फाइनल के लिए क्वालीफाई करने की उम्मीदों को झटका लगा है। फ्रांसिस्को सेरुंडोलो ने उन्हें 7-6 (6), 7-6 (5) से हराया।

पिछले 10 साल किसी सपने से कम नहीं रहेः भूमि

फिल्म 'दम लगा के हईशा' से बॉलीवुड में कदम रखने वाली भूमि पेडनेकर को लगभग एक दशक हो गया है और अभिनेत्री का कहना है कि वह वास्तव में अपने सपने को जी रही हैं। 'दम लगा के हईशा' के बाद भूमि 'टॉयलेटः एक प्रेम कथा', 'शुभ मंगल सावधान', 'सोनचिरैया', 'सांड की आंख', 'डॉली किट्टी और वो चमकते सितारे', 'बधाई दो', 'भीड़' और 'अफवाह' जैसी फिल्मों में नजर आईं। हिंदी सिनेमा में अपने सफर के बारे में बात करते हुए, अभिनेत्री, जिन्हें इस महीने की शुरूआत में लैक्मे फैशन वीक में रनवे पर चलते हुए देखा गया था, ने बतायाः "पिछले 10 साल किसी सपने से कम नहीं रहे हैं। मैं वास्तव में अपने सपने को जी रही हूं। यह वही है जो मैं बचपन से चाहती थी और हर दिन मैं भगवान को धन्यवाद देती हूं कि उन्होंने मुझे इस अभूतपूर्व उद्योग का हिस्सा बनने दिया। भूमि ने कहा कि वह भाग्यशाली हैं कि उन्हें ऐसे फिल्म निर्माताओं के साथ काम करने का मौका मिला, जिनके साथ उन्होंने काम किया है।

"मैं भाग्यशाली रही हूं कि मुझे कुछ बेहतरीन फिल्म निर्माता मिले, जिन्होंने हमेशा मेरा साथ दिया, कुछ बेहतरीन किरदार निभाए और मुझे उम्मीद है कि अगला दशक भी ऐसे किरदारों से भरा होगा। अपने सिनेमा के जरिए प्रभाव छोड़ना मेरे उद्देश्य का हिस्सा है और मुझे उम्मीद है कि यह कभी खत्म नहीं होगा।" इससे पहले अभिनेत्री ने साझा किया था कि वह स्वतंत्रता संग्राम पर आधारित एक ऐतिहासिक फिल्म करना चाहती हैं।

भूमि ने उन शैलियों में काम करने के बारे में बात की, जिनमें उन्होंने कभी काम नहीं किया – एक्शन और ऐतिहासिक फिल्में। भूमि ने कहा, "मुझे लगता है कि मैं शायद एक एक्शन फिल्म करना चाहूंगी, शायद स्वतंत्रता संग्राम पर आधारित कोई फिल्म करना चाहूंगी।" उन्होंने आगे कहाः "मैं लगातार यह सोच रही हूं कि मैं स्वतंत्रता संग्राम पर आधारित एक ऐतिहासिक फिल्म करना चाहती हूं।"

मुझे ज्यादा कामुक न बनाओः नोरा फतेही

डांसर-अभिनेत्री नोरा फतेही जॉन अब्राहम की फिल्म सत्यमेव जयते के हिट गाने दिलबर में काम करने के बाद लोकप्रिय हुईं, जो 2018 में रिलीज हुई थी। हालांकि इस गाने के हुक स्टेप्स मशहूर हो गए हैं, लेकिन नोरा ने खुलासा किया कि उन्हें गाने में उनके प्रदर्शन के लिए पैसे नहीं दिए गए थे। इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न 2024 में राजीव मसंद के साथ एक साक्षात्कार में, नोरा ने याद किया कि दिलबर के लिए उनका ब्लाउज उनके लिए 'बहुत छोटा' बनाया गया था, जिसके कारण उन्होंने लगभग गाना मना कर दिया था। उन्होंने कहा, "जब वे मेरे लिए ब्लाउज लाए, तो यह बहुत छोटा था, और मुझे अपना पैर नीचे रखना पड़ा। मैंने कहा, 'दोस्तों, मैं इसे नहीं पहन सकती। मुझे ज्यादा कामुक मत बनाओ। मैं समझती हूँ, यह एक सेक्सी गाना है, हम सभी स्वाभाविक रूप से सेक्सी हैं, लेकिन हमें इसके बारे में अश्लील होने की जरूरत नहीं है।'" बाद में, सुबह उनके लिए एक 'आरामदायक' ब्लाउज बनाया गया, जब वे दिलबर की शूटिंग करने वाले थे। फतेही ने कहा, "कुछ लोगों को यह अभी भी बहुत सेक्सी लग सकता है, लेकिन मेरे लिए यह वह था जिसमें मैं सहज थी, न कि वे मुझे जो देने जा रहे थे।" नोरा ने याद किया कि जब वह फिल्म निर्माताओं के साथ बैठी थीं, तो उन्होंने कहा कि आइटम गीत को या तो 'हॉट और सेक्सी' के रूप में प्रस्तुत किया जा सकता है या वे एक अलग दृष्टिकोण अपना सकते हैं और इसे अधिक 'डांस-ओरिएंटेड विजुअल' में बदल सकते हैं। नोरा ने साझा किया कि स्त्री के उनके गाने कमरिया के लिए भी उन्हें बिल्कुल भी भुगतान नहीं किया गया था। उन्होंने खुलासा किया कि जब कमरिया के लिए प्रस्ताव आया, तो वह हमेशा के लिए भारत छोड़ने की योजना बना रही थीं, हालांकि उन्होंने यह गाना करने का फैसला किया क्योंकि उन्हें पैसों की जरूरत थी। उन्होंने कहा, "जब मैं इन दो गानों के निर्माताओं से मिली... जिनके लिए मुझे कभी भुगतान नहीं किया गया, वैसे, मैंने उन्हें मुफ्त में किया।"

लड़की होना बहुत मुश्किल काश मैं कभी लड़का होती

प्रियंका चोपड़ा

अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा जोनास का टॉक शो 'रॉन्देवू विद सिमी ग्रेवाल' का एक पुराना वीडियो फिर से सामने आया है। वीडियो में अभिनेत्री ने पुरुषों की तुलना में महिलाओं के सामने आने वाली चुनौतियों पर अपने विचार साझा किए हैं।

थ्रोबैक क्लिप में प्रियंका को यह कहते हुए सुना जा सकता है, "लड़की होना बहुत मुश्किल है, काश मैं कभी लड़का होती। सच में, कोई तनाव नहीं, बस एक जोड़ी जींस और एक टी-शर्ट पहन लो और बस हो गया।"

जवाब में सिमी कहती हैं, "लेकिन आजकल लड़के ज्यादा जिम्मेदारियां उठा रहे हैं।"

हालांकि प्रियंका संशय में रहती हैं और कहती हैं, "वे कभी भी उतना नहीं कर सकते जितना हमें करना पड़ता है। हमें इतना कठोर रहना पड़ता है कि एक भी कर्ल अपनी जगह से न खिसके।" जैसे ही बातचीत आगे बढ़ती है, प्रियंका के बाल और मेकअप कलाकार अप्रत्याशित रूप से उनके बालों को ठीक करने के लिए फ्रेम में प्रवेश करते हैं, जिससे अभिनेत्री आश्चर्यचकित हो जाती हैं और मेजबान सिमी कहती हैं, "माफ करना, कैमरा रोल कर रहा है।" प्रियंका चोपड़ा 2006 में "रॉन्देवू विद सिमी ग्रेवाल" में आई थीं, जहां उन्होंने एक आदर्श पुरुष के गुणों पर अपने विचार साझा किए और शाहरुख खान की बहुत बड़ी प्रशंसक होने की बात कबूल की।

काम के मोर्चे पर प्रियंका चोपड़ा आगामी फिल्म 'सिटाडेल सीजन 2' में विशेष एजेंट नादिया सिंह के रूप में दिखाई देंगी। रुसो ब्रदर्स द्वारा निर्देशित, 'सिटाडेल' सीजन 2 में रिचर्ड मैडेन मेसन केन/काइल कॉनरॉय के रूप में लौट रहे हैं।

● डॉ. अशोक चतुर्वेदी, दुबई

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **विजयशंकर चतुर्वेदी** द्वारा ए.जी.एस. पब्लिकेशन एफ-23 सेक्टर-6 नोएडा (यू.पी.) से मुद्रित एवं एच-42, लक्ष्मीनगर, दिल्ली-110092 से प्रकाशित
संपादक : **विजयशंकर चतुर्वेदी**, दूरभाष नं. 011-49038655, 011-49073192 मो. 9811063789, 9211152380 (डीएवीपी एवं दिल्ली सरकार से विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त)
प्रकाशन: प्रत्येक सप्ताह रविवार **पोस्टिंग:** प्रत्येक सप्ताह मंगलवार एवं बुधवार E-mail: rashtratimesnewspaper@gmail.com, www.rashtratimes.com rashtratimes